- 19th Year
- Issue: 231
- 27.12.2025 (SATURDAY)
- ROURKELA
- R.N.I. No. ORIHIN/2006/18978
- (Pages-6)
- Price:2.00

दैनिक

कलिंग समाचार

The kalingasamachar

e-paper-www.thekalingasamachar.com

प्रकाशक एवं संपादक : प्रकाश कुमार धल

Published From ODISHA, JHARKHAND & CHHATTISHGARH

वीर बाल दिवस पर बोले पीएम मोदी, साहिबजादों ने धार्मिक कट्टरता-आतंकवाद को जड़ से मिटाया

नयी दिल्ली २६/१२ (संवाददाता): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को वीर साहिबजादों के बलिदान को नमन करते हुए, ज़रूर मुगल सल्तनत के विरुद्ध चट्टान की तरह खड़े होकर धार्मिक कट्टरता और आतंक के अस्तित्व को जड़ से उखाड़ फेंकने के उनके साहस और वीरता की सराहना की। वीर बाल दिवस के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वीर साहिबजादों ने, जिन्हें बहुत कम उम्र में मुगल साम्राज्य का सामना करना पड़ा, अत्याचार के विरुद्ध अपने संघर्ष में सभी परिस्थितियों को तोड़ दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज राष्ट्र वीर बाल दिवस मना रहा है। आज हम उन वीर साहिबजादों को याद करते हैं जो भारत का गौरव हैं। वे भारत के अदज़्य साहस, वीरता और साहस की सर्वोच्च अभिव्यक्ति हैं। उन वीर साहिबजादों ने उम्र और परिस्थितियों की सीमाओं को तोड़ दिया। वे ज़रूर मुगल सल्तनत के विरुद्ध चट्टान की तरह खड़े रहे और धार्मिक कट्टरता और आतंक के अस्तित्व को जड़ से उखाड़ फेंका। ऐसे गौरवशाली अतीत वाला राष्ट्र कुछ भी हासिल कर सकता है।

26 दिसंबर, 1704 को, गुरु गोविंद सिंह जी के छोटे पुत्रों, साहिबजादा जोरावर सिंह और फतेह सिंह को सरहिंद के नवाब वज़ीर खान के आदेश पर, सम्राट औरंगजेब के शासनकाल में इस्लाम धर्म अपनाने का विरोध करने के कारण, जिंदा ईंटों में चुनवा दिया गया था। उनके दो बड़े पुत्रों, साहिबजादा अजीत सिंह और साहिबजादा जुझार सिंह ने चमकौर के युद्ध में वीरतापूर्वक लड़ते हुए शहादत प्राप्त की।

वीर बाल दिवस के महत्व को रेखांकित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों को मुगलों के विरुद्ध खड़े होने के वीर साहिबजादों के उद्देश्य की याद दिलाई। उन्होंने कहा कि वीर बाल दिवस गहरी भावना और श्रद्धा का दिन है। साहिबजादा अजीत सिंह, साहिबजादा जुझार सिंह, साहिबजादा जोरावर सिंह और साहिबजादा फतेह सिंह को बहुत कम उम्र में ही अपने समय की सबसे शक्तिशाली सज़ा का सामना करना पड़ा था। वह लड़ाई भारत के मूलभूत आदर्शों और धार्मिक कट्टरता के बीच थी।

यह सत्य और असत्य की लड़ाई थी। उन्होंने आगे कहा कि उस युद्ध के एक तरफ दसवें गुरु, श्री गुरु गोविंद सिंह जी थे, और दूसरी तरफ औरंगजेब का ज़रूर शासन था। हमारे साहिबजादे उस समय युवा थे, लेकिन औरंगजेब और उसकी ज़रूरता उनकी उम्र को नहीं समझती थी। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि औरंगजेब की ज़रूरता के बावजूद, उसके सेनापति उन चार साहिबजादों में से एक को भी नहीं डिगा सके। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि लेकिन औरंगजेब और उसके सैन्य कमांडर यह भूल गए थे कि हमारे गुरु कोई साधारण व्यक्ति नहीं थे। वे तपस्या और त्याग की साक्षात मूर्ति थे। वीर साहिबजादों को उनसे यह विरासत मिली थी, इसलिए भले ही पूरा मुगल साम्राज्य उनके विरुद्ध खड़ा था, वे उन चार साहिबजादों में से एक को भी नहीं हिला सके। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि वीर बाल दिवस मनाने की उनकी पहल ने साहसी और प्रतिभाशाली युवाओं के लिए एक मंच तैयार किया है। उन्होंने कहा कि जब भी 26 दिसंबर आता है, मुझे यह जानकर संतोष होता है कि हमने साहिबजादों (गुरु गोविंद सिंह के पुत्रों) की वीरता से प्रेरित होकर %वीर बाल दिवस% मनाना शुरू कर दिया है। पिछले चार वर्षों में, वीर बाल दिवस की इस नई परंपरा ने साहिबजादों की प्रेरणादायक कहानियों को नई पीढ़ी तक पहुंचाया है। वीर बाल दिवस ने साहसी और प्रतिभाशाली युवाओं के लिए एक मंच भी तैयार किया है। हर साल, देश के लिए विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलज़्धियां हासिल करने वाले बच्चों को प्रधानमंत्री के राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सज़्मानित किया जाता है।

बांग्लादेश में सांप्रदायिक हिंसा भड़की, दो हिंदुओं की भीड़ ने ली जान, भारत में रोष

नयी दिल्ली २६/१२ (संवाददाता): बांग्लादेश इन दिनों गहरे राजनीतिक और सामाजिक उथल-पुथल के दौर से गुजर रहा है। सज़ा परिवर्तन के बाद हालात संभलने के बजाय और ज्यादा बिगड़ते नजर आ रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के सज़ा से बाहर होने के बाद बने अंतरिम ढांचे के सामने कानून-व्यवस्था बड़ी चुनौती बन गई है। बता दें कि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यकारी अध्यक्ष तारिक रहमान 17 साल के निर्वासन के बाद देश लौटे हैं। उनकी वापसी को आगामी आम चुनावों से पहले बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम माना जा रहा है। हालांकि, यह वापसी ऐसे समय हुई है जब देश में हिंसा, विरोध प्रदर्शन और अल्पसंज़्यकों पर हमलों की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार, हाल के दिनों में हिंदू समुदाय के दो लोगों दीपु चंद्र दास और अमृत मंडल की भीड़ द्वारा हत्या कर दी गई। इन घटनाओं के बाद भारत में भी विरोध तेज हो गया है। विश्व हिंदू परिषद और

बजरंग दल जैसे संगठनों ने कई शहरों में प्रदर्शन किए हैं, जबकि राजनीतिक दलों ने केंद्र सरकार से कड़ा रुख अपनाने की मांग की है। गौरतलब है कि बांग्लादेश में कानून व्यवस्था को लेकर अंतरराष्ट्रीय चिंता भी बढ़ी है। संयुक्त राष्ट्र ने वहां हो रही हिंसा पर चिंता जताते हुए निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने की अपील की है। वहीं भारत के विदेश मंत्रालय ने भी अल्पसंज़्यकों पर हमलों को लेकर चिंता जाहिर की है और हालात पर नजर बनाए रखने की बात कही है।इधर, ढाका और अन्य शहरों में विरोध प्रदर्शन लगातार जारी हैं। छात्र संगठन, सामाजिक समूह और विभिन्न मंच सड़कों पर उतरकर न्याय की मांग कर रहे हैं। कई जगहों पर तोड़फोड़ और झड़पों की भी खबरें हैं। पुलिस ने कई मामलों में गिरज़्तारियां की हैं, लेकिन तनाव पूरी तरह कम नहीं हुआ है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि तारिक रहमान की वापसी ने बीएनपी समर्थकों में उत्साह भरा है, लेकिन इससे सियासी ध्रुवीकरण भी तेज हुआ है। आगामी चुनावों से पहले हालात किस दिशा में जाएंगे, इस पर पूरे क्षेत्र की नजर बनी हुई है। फिलहाल बांग्लादेश एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां स्थिरता, सुरक्षा और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं और आने वाले दिन देश के भविष्य की दिशा तय कर सकते हैं।

नायडू का दावा, भारत की सभ्यतागत शक्ति और युवा बल बनेगा विश्वगुरु, आरएसएस के प्रयासों की सराहना

अमरावती २६/१२ (संवाददाता): आंध्र प्रदेश के मुज़्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को कहा कि भारत की सभ्यतागत शक्ति, ज्ञान की परंपराएं और युवा जनसांज़्यिकीय लाभ देश को विश्व में शीर्ष स्थान पर पहुंचाएंगे और इसे एक वैश्विक महाशक्ति बनाएंगे। तिरुपति स्थित राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में भारतीय विज्ञान सज़्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए नायडू ने सज़्मेलन को भारत और भारतीयता की अवधारणा पर विचार-विमर्श करने के लिए एक उपयुक्त मंच बताया। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के वैचारिक स्रोत, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की राष्ट्रीय विकास में योगदान के साथ-साथ भारतीय संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित करने के प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि आरएसएस प्रमुख मोहन भगवत समाज में मूल्यों, नैतिकता और नैतिक आधार को मजबूत करने के प्रयास कर रहे हैं और भारत की मजबूत पारिवारिक व्यवस्था पर जोर दे रहे हैं जो सामाजिक सुरक्षा प्रदान करती है। नायडू ने भगवत के जनसंज़्या वृद्धि के आह्वान का समर्थन करते हुए कहा कि बढ़ती उम्र की आबादी की चुनौती का सामना कर रहे कई देशों के विपरीत, भारत की जनसांज़्यिकीय शक्ति एक प्रमुख संपज़ि बन गई है। अतुलनीय युवा शक्ति के साथ, भारत में विश्व का नेतृत्व करने की क्षमता है।

उन्होंने भारत की प्राचीन वैज्ञानिक और बौद्धिक विरासत का हवाला देते हुए कहा कि देश प्राचीन काल से ही ज्ञान का महाशक्तिस्थल रहा है। नायडू ने उन्नत शहरी नियोजन के प्रारंभिक प्रमाण के रूप में हड़प्पा सज़्यता का उल्लेख किया और बताया कि योग का अज़्यास भारत में लगभग 2,900 वर्ष पूर्व से होता आ रहा है और अब 150 से अधिक देशों में इसका पालन किया जाता है।

भारत को सिर्फ महाशक्ति नहीं, विश्व गुरु बनने का समय आया-भागवत

तिरुपति २६/१२ (संवाददाता): राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भगवत ने शुक्रवार को तिरुपति स्थित राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में भारतीय विज्ञान सज़्मेलन (बीवीएस) के उद्घाटन सत्र में भाग लिया और भारत के लिए अंधविश्वासों से उबरने, क्षेत्रीय भाषाओं में ज्ञान को बढ़ावा देने और विकास में संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। आंध्र प्रदेश के मुज़्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। कार्यक्रम में बोलते हुए भगवत ने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि लोग पुराने अंधविश्वासों से बाहर निकलें, और यह बात उन लोगों पर भी लागू होती है जो नए अंधविश्वासों में फंसे हुए हैं। हमारे प्राचीन मंदिरों की वास्तुकला ऐसी है कि वे अनेक आपदाओं से बचे रहे। हम पिछले दस हजार वर्षों से पारंपरिक तरीकों से खेती करते आ रहे हैं और मिट्टी आज भी वैसी ही बनी हुई है। आरएसएस प्रमुख ने जोर देकर कहा कि भारत को न केवल महाशक्ति बनना है, बल्कि विश्व गुरु भी बनना है।

उन्होंने आगे कहा कि लेकिन अब, उत्पादन बढ़ाने की आवश्यकता के कारण, पंजाब से जयपुर तक %कैंसर ट्रेन% चल रही है। भारत का विकास होना तय है ज्योंकि यह समय की मांग है।

लेकिन भारत को न केवल महाशक्ति बनना है, बल्कि विश्व गुरु भी बनना है। शिक्षा और वैज्ञानिक जागरूकता के महत्व पर बोलते हुए भागवत ने कहा, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि ज्ञान सभी तक पहुंचे।

इसे नजरअंदाज नहीं कर सकते...भारत ने बांग्लादेश को गिनाई अल्पसंख्यकों पर 2900 जुल्मों की लिस्ट

नयी दिल्ली २६/१२ (संवाददाता): विदेश मंत्रालय (एमईए) ने शुक्रवार को बांग्लादेश में अल्पसंज़्यकों के खिलाफ हिंसा की निंदा की और चरमपंथी तत्वों द्वारा हिंदुओं, ईसाइयों और बौद्धों के खिलाफ जारी लगातार शत्रुता पर गहरी चिंता व्यक्त की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि हम मयमनसिंह में एक हिंदू युवक की हाल ही में हुई जघन्य हत्या की कड़ी निंदा करते हैं और दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने की उज़्मीद करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं, ईसाइयों और बौद्धों सहित अल्पसंज़्यकों के खिलाफ जारी शत्रुता गंभीर चिंता का विषय है। बांग्लादेश

में हिंदुओं के खिलाफ जानलेवा हिंसा का दौर जारी है। राजबारी जिले के हुसैनडांगा में आरोपियों ने हिंदू युवक अमृत मंडल (29) की पीट-पीट कर हत्या कर दी। सूत्रों के अनुसार बुधवार देर रात अपने एक साथी के साथ बाइक से जा रहे से जा रहे अमृत को ग्रामीणों ने घात लगाकर पकड़ लिया। दोनों के साथ ग्रामीणों ने जमकर मारपीट की। अमृत की गुरुवार तड़के इलाज के दौरान मौत हो गई जबकि उसका साथी सलीम शेख गंभीर रूप से घायल है। ग्रामीणों का आरोप है कि अमृत और सलीम गांव के शहीदुल से वसूली के लिए आए थे। हल्ला मचने के बाद दोनों बाइक के भागने की कोशिश में थे।

बता दें कि एक हज़्ते में बांग्लादेश में हिंदू युवक की पीट-पीट कर हत्या की ये दूसरी वारदात है।

जयपुर के चोमू में मस्जिद के बाहर से पत्थर हटाने को लेकर हिंसा भड़की, इंटरनेट सस्पेंड

जयपुर २६/१२ (संवाददाता): जयपुर के चोमू कस्बे में शुक्रवार तड़के एक मस्जिद के बाहर से कुछ पत्थर हटाने को लेकर हिंसा भड़क गई, जिसके बाद अधिकारियों को भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागने पड़े। अधिकारियों के मुताबिक, वे कलांदरी मस्जिद के बाहर से कुछ पत्थर हटाने की कोशिश कर रहे थे, तभी भीड़ जमा हो गई और उन पर पत्थर फेंकने लगी। यह घटना सुबह करीब 3 बजे हुई, जिसमें कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। एक बयान में पुलिस ने कहा कि वे स्थानीय लोगों की

सहमति के बाद ही पत्थर हटाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन अचानक एक भीड़ ने उन पर हमला कर दिया और पत्थर फेंकने लगे। हालांकि, स्थिति अब नियंत्रण में है।पुलिस ने इलाके में अतिरिक्त पुलिसकर्मी भी तैनात किए हैं और 27 दिसंबर को सुबह 7 बजे तक 24 घंटे के लिए मोबाइल इंटरनेट और स्रू सेवाओं को अस्थायी रूप से सस्पेंड कर दिया है। इस बीच, सुबह हुई झड़पों के बाद इलाके में दुकानें बंद रही हैं।अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर डॉ. राजीव पचार, डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (पश्चिम) हनुमान प्रसाद मीणा और अतिरिक्त ष्ठष्टक राजेश गुप्ता सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने इलाके का दौरा किया और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की।

ब्राह्मण विधायकों की बैठक पर भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी नाराज, बताया नकारात्मक राजनीति

नयी दिल्ली २६/१२ (संवाददाता): उज़र प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष पंकज चौधरी ने विधायकों को जाति और परिवार आधारित राजनीति में शामिल न होने की कड़ी चेतावनी जारी की है। यह चेतावनी उन खबरों के बाद दी गई है जिनमें कहा गया है कि कुछ ब्राह्मण विधायकों ने पार्टी मामलों पर चर्चा करने के लिए अलग से रात्रिभोज का आयोजन किया था। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पंकज चौधरी ने कहा कि ऐसा कोई भी कृत्य भाजपा के संविधान और आदर्शों के अनुरूप नहीं माना जाना चाहिए।

चौधरी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सिद्धांतों और आदर्शों पर आधारित एक राजनीतिक दल है। भाजपा और

उसके कार्यकर्ता परिवार या किसी विशेष जाति पर आधारित राजनीति में विश्वास नहीं करते हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने बताया कि एक कथित समाचार के अनुसार, हाल ही में हुए विधानसभा सत्र के दौरान कुछ प्रतिनिधियों ने एक विशेष भोज का आयोजन किया था, जिसमें उनके समुदायों के बारे में चर्चा हुई थी। उन्होंने कहा कि उन्होंने प्रतिनिधियों से सावधानीपूर्वक बातचीत की है। उन्हें स्पष्ट रूप से बता दिया गया है कि ऐसी कोई भी गतिविधि भाजपा की संवैधानिक परंपराओं के अनुरूप नहीं है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि प्रतिनिधियों को भविष्य में ऐसी गतिविधियों के प्रति सतर्क रहने को कहा गया है।

उज़र प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी ने सभी प्रतिनिधियों को बता दिया है कि ऐसी गतिविधियां समाज में गलत संदेश फैलाती हैं। उन्होंने कहा, यदि कोई भाजपा प्रतिनिधि भविष्य में ऐसी गतिविधियों को दोहराता है, तो इसे पार्टी के संविधान के अनुसार अनुशासनहीनता माना जाएगा।

विज्ञप्ति के अनुसार, चौधरी ने कहा कि भाजपा एक विविधतापूर्ण लोकतंत्र में अपनी व्यापक पहचान-आधारित राजनीति को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि वंशवादी राजनीति के पारंपरिक दिग्गजों के लिए बदलते राजनीतिक परिदृश्य में प्रासंगिक बने रहने और विकास की आकांक्षाओं के अनुरूप ढलने के लिए स्वयं को पुनर्परिभाषित करना और अपनी विचारधाराओं का पुनर्गठन करना आवश्यक है।

राज्य भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा व्यापक रूप से प्रदर्शित विकासवादी राजनीति और राष्ट्रवाद के सामने राज्य में विपक्ष की जाति आधारित राजनीति का अंत हो रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने राज्य में सामाजिक न्याय, समावेशी और सर्वव्यापी राजनीति स्थापित की है। इस विकास आधारित मॉडल ने उज़र प्रदेश में जातिवादी राजनीति के उज़राधिकारियों को पराजित किया है।

राज्य के लगातार बदलते राजनीतिक परिदृश्य में, जातिगत पहचान पर आधारित राजनीति करने वाली समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और कांग्रेस जैसी पार्टियों का भविष्य अंधकारमय दिख रहा है। इसी कारण ये पार्टियां भाजपा पर बेबुनियाद और निराधार हमले कर रही हैं।

विविध समाचार

दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल अभ्यास, जनगणना 2027 के फेस1 का पूर्व परीक्षण हुआ पूरा, अप्रैल 2026 से शुरू होगा काम

नयी दिल्ली २६/१२ (संवाददाता): भारत की जनगणना 2027 के पहले चरण के शुभारंभ में तीन महीने से भी कम समय बचा है, ऐसे में सरकार ने इस कार्य के लिए विस्तृत तैयारियां शुरू कर दी हैं, जिसे अधिकारी विश्व के सबसे बड़े प्रशासनिक अज़्यासों में से एक बता रहे हैं। अप्रैल 2026 में शुरू होने वाली गृह सूची और आवास जनगणना के लिए रूपरेखा को अंतिम रूप देने हेतु उप-जिला, जिला और राज्य स्तर पर हितधारकों के साथ व्यापक चर्चाएं की गई हैं। इस महीने की शुरुआत में पहले चरण के पूर्व-परीक्षण अज़्यास के सफल समापन के बाद तैयारियों में तेजी आई है। भारत के रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण ने सभी हितधारकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह भारत की पहली डिजिटल जनगणना की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

समाचार एजेंसी एएनआई ने सरकारी अधिकारियों के हवाले से बताया कि चर्चा में लाखों फील्ड स्टाफ की तैनाती पर बात हुई, जो हर घर का दौरा करेंगे, डेटा संग्रह के लिए मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग और इस विशाल डिजिटल अभियान के लिए आवश्यक कई सुरक्षा उपायों पर भी विचार किया गया। योजना में अप्रैल से सितंबर 2026 के बीच निर्धारित पहले चरण के सुचारू संचालन के लिए उप-जिला, जिला और राज्य स्तर पर जनगणना अधिकारियों की स्तरीय तैनाती भी शामिल है। गौरतलब है कि जनगणना 2027 दो चरणों में संपन्न की जाएगी। पहला चरण, गृह सूचीकरण और आवास जनगणना, अप्रैल से सितंबर 2026 तक चलेगा। दूसरा चरण, जनसंज़्या गणना, फरवरी 2027 में आयोजित किया जाएगा। हालांकि, लद्दाख, जज़्मू और कश्मीर के बर्फ से ढके क्षेत्रों, हिमाचल प्रदेश और उज़राखंड में जनसंज़्या गणना सितंबर 2026 में होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 12 दिसंबर को 11,718.24 करोड़ रुपये की लागत से जनगणना 2027 के प्रस्ताव को मंजूरी दी। राजनीतिक मामलों की कैबिनेट समिति द्वारा पहले से लिए गए निर्णय के अनुसार, आगामी जनगणना में जाति गणना भी शामिल होगी। जनगणना 2027 भारत की 16वीं जनगणना और स्वतंत्रता के बाद आठवीं जनगणना है। यह आवास की स्थिति, सुविधाओं, जनसांज़्यिकी, धर्म, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, भाषाओं, साक्षरता, आर्थिक गतिविधि, प्रवासन और प्रजनन दर पर विस्तृत आंकड़ों का प्राथमिक स्रोत है। यह प्रक्रिया जनगणना अधिनियम, 1948 और जनगणना नियम, 1990 द्वारा संचालित होती है।

जनगणना में लगभग 30 लाख फील्ड वर्कर काम करेंगे और 1.02 करोड़ से अधिक मानव-दिवस का रोजगार सृजित होगा। लगभग 18,600 तकनीकी कर्मी स्थानीय स्तर पर 550 दिनों तक डिजिटल डेटा प्रबंधन और निगरानी से संबंधित कार्यों में सहयोग करेंगे। इस व्यापक तकनीकी भागीदारी से संबंधित कर्मियों के लिए भविष्य में रोजगार के बेहतर अवसर मिलने की उज़्मीद है। जनगणना करने वाले, जिनमें अधिकतर सरकारी स्कूल शिक्षक हैं, अपने नियमित कर्तव्यों के अतिरिक्त फील्ड विजिट भी करेंगे। इस कार्य में सहयोग के लिए उप-जिला, जिला और राज्य स्तर पर अन्य पदाधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी।

धीरेन्द्र शास्त्री का चेतावनी, खतरे में बांग्लादेश में हिंदुओं की पहचान, तुरंत एज़्शन ले भारत

नयी दिल्ली २६/१२ (संवाददाता): बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा की खबरों पर कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए, बागेश्वर धाम सरकार आचार्य धीरेन्द्र शास्त्री ने केंद्र सरकार से पड़ोसी देश में अल्पसंज़्यकों की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाने का आग्रह किया। शास्त्री ने जोर देकर कहा कि अगर सरकार इस मामले में कार्रवाई नहीं करती है, तो बांग्लादेश में हिंदुओं की पहचान खतरे में पड़ जाएगी। शास्त्री की ये टिप्पणी बांग्लादेश में जारी हिंसा में अमृत मंडल और दीपू चंद्र दास की हालिया हत्याओं के संदर्भ में आई है। शास्त्री ने एएनआई से कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है।

भारत सरकार के लिए बांग्लादेश में हिंदुओं के लिए कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाना आवश्यक हो गया है। अगर कोई कदम नहीं उठाया गया, तो हिंदुओं की पहचान खतरे में पड़ जाएगी। इसके अलावा, शास्त्री ने यह भी कहा कि अगर बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंज़्यक सुरक्षित नहीं हैं, तो उन्हें भारत में रहने की जगह दी जानी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि अगर हम अभी उनकी मदद नहीं करते हैं, तो हिंदू एकता का कोई मतलब नहीं रह जाएगा। बांग्लादेश में हिंदुओं की रक्षा की जानी चाहिए। यहां रहने वाले बांग्लादेशियों के स्थान पर बांग्लादेशी हिंदुओं को भारत में जगह दी जानी चाहिए। इससे पहले बुधवार को, डेली स्टार ने खबर दी कि राजबारी के पांगशा उप-जिले के कालीमोहोर संघ के होसेनडांगा गांव में अमृत मंडल नामक एक हिंदू युवक की जबरन वसूली के आरोप में पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। पुलिस को कल रात सूचना मिलते ही वह मौके पर पहुंची और सम्राट को गंभीर हालत में बचाया। मंडल की हत्या बांग्लादेश के मयमनसिंह जिले में हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या और जलाए जाने के कुछ दिनों बाद हुई है। कपड़ा कारखाने में काम करने वाले दीपू चंद्र दास को कथित ईशनिंदा के आरोप में भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला और 18 दिसंबर को उनके शव को लटकाकर आग लगा दी। द डेली स्टार ने मयमनसिंह के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अज़्दुल्ला अल मामून के हवाले से बताया कि कारखाने के एक अधिकारी ने भालुका पुलिस को सूचित किया कि श्रमिकों के एक समूह ने दीपू पर कारखाने के अंदर हमला किया.

मुखर्जी, उपाध्याय और अटल के दृष्टिकोण को आगे बढ़ा रहे प्रधानमंत्री मोदी-योगी

लखनऊ २६/१२ (संवाददाता): उज़र प्रदेश के मुज़्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि तीन महान नेताओं-पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी, दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी ने भारत को नयी दिशा दी और उनकी विरासत को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर एवं विकसित राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ाया जा रहा है।

यहां पूर्व प्रधानमंत्री 'भारत रत्न' अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के अवसर पर मोदी द्वारा 'राष्ट्र प्रेरणा स्थल' के लोकार्पण के मौके पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी के भारत के उज्ज्वल भविष्य को लेकर कहे गए शज़्द केवल आशा की अभिव्यक्ति नहीं थे, बल्कि राष्ट्र के प्रति उनके दूरदर्शी दृष्टिकोण, गहरे विश्वास और दृढ़ संकल्प को दर्शाते थे।

उन्होंने कहा, ''जब वाजपेयी ने अपनी कविता में अंधेरा छंटेगा, सूरज उगेगा और कमल खिलेगा की बात कही थी, तो वह भारत के उज्ज्वल भविष्य में उनके अटूट विश्वास का प्रतीक था और एक ऐसा दृष्टिकोण था जो आज विकसित भारत के रूप में साकार होता दिख रहा है।

योगी ने कहा, अटल जी ने कवि, पत्रकार, राष्ट्रवादी विचारक और भारत के सच्चे सपूत के रूप में जो नेतृत्व दिया, उसे हर भारतवासी आज विकास के नए रूप में देख रहा है।मुज़्यमंत्री ने कहा, ''वाजपेयी की जन्म शताज़्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित 'राष्ट्र प्रेरणा स्थल' समारोह के मुज़्य अतिथि-हम सबके मार्गदर्शक, अमृत काल के सारथी, आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत के शिल्पकार, विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता एवं देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मैं उज़र प्रदेश की जनता की ओर से स्वागत करते हैं।''योगी ने कहा,प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से जब हम आत्मनिर्भर विकसित भारत का वर्तमान स्वरूप देख रहे है, तो कहीं न कहीं डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय व श्रद्धेय अटल जी का वह मार्गदर्शन भी एक नई प्रेरणा के रूप में हम सबके सामने रहता है। उन्होंने कहा, आज भारत माता के उन महान सपूतों के प्रति नमन करने का अवसर भी है। महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी महान शिक्षाविद महामना मदन मोहन मालवीय जी, जिन्होंने काशी में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की स्थापना की थी। मुज़्यमंत्री ने कहा कि उनकी (मालवीय की) सेवाओं को देखते हुए प्रधानमंत्री ने उनको भारत रत्न देकर उनकी सेवाओं को सज़्मानित किया। योगी ने कहा कि बिजली पासी ऐसे महान योद्धा थे, जिनके बारे में हर भारतीय के मन में एक नई प्रेरणा प्राप्त होती है।

हताशा का दौर खत्म, जेन-जेड के लिए अवसरों की भरमार, मोदी ने युवाओं को किया सशक्त

नयी दिल्ली २६/१२ (संवाददाता): विभिन्न क्षेत्रों में पैदा हो रहे अवसरों की प्रचुरता पर जोर देते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने %जेन-जी% की क्षमताओं और आत्मविश्वास पर भरोसा जताया और उन्हें कड़ी मेहनत और अनुशासन के माध्यम से राष्ट्र के विकास के लिए प्रयास करने और विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित किया। %वीर बाल दिवस% के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, पीएम मोदी ने युवाओं को उम्र की परवाह किए बिना बड़ी चुनौतियों का सामना करने की सलाह दी।

पीएम मोदी ने कहा कि संगठन से जुड़े इतने सारे युवा यहां उपस्थित हैं। एक तरह से आप सभी जेन-जेड, जेन-अल्फा% हैं। आपकी पीढ़ी भारत को विकसित भारत के लक्ष्य तक ले जाएगी।

मैं जेन-जेड की क्षमताओं और आपके आत्मविश्वास को देखता और समझता हूं, इसलिए मुझे आप पर पूरा भरोसा है। उम्र यह तय नहीं करती कि कौन छोटा है और कौन बड़ा। आप अपने कर्मों और उपलज़्धियों से बड़े बनते हैं। कम उम्र में भी आप ऐसा काम कर सकते हैं जिससे दूसरे प्रेरणा लें। पीएम मोदी ने युवाओं को अल्पकालिक लोकप्रियता से विचलित न होने की सलाह दी और उन्हें राष्ट्र निर्माण में योगदान देने वाले महान व्यक्तित्वों से सीखने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने कहा कि आपको एकाग्र रहना होगा, और इसके लिए यह आवश्यक है कि आप अल्पकालिक लोकप्रियता की चकाचौंध में न उलझें। आपको अपने आदर्शों से सीखना चाहिए, देश के महान व्यक्तित्वों से सीखना चाहिए। आपको अपनी सफलता को केवल अपने तक सीमित नहीं समझना चाहिए। आपका लक्ष्य यह होना चाहिए कि आपकी सफलता राष्ट्र की सफलता बने।

यह देखते हुए कि एनडीए के नेतृत्व वाली सरकार ने भारत को रूपांतरित करने वाली पहलों के माध्यम से निराशा और हताशा के माहौल को पार कर लिया है, पीएम मोदी ने कहा कि अब युवाओं के पास हर क्षेत्र में प्रगति करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि पहले, युवा सपने देखने से भी डरते थे, ज़्योंकि पुरानी व्यवस्था ने ऐसा माहौल बना दिया था जहाँ लगता था कि कुछ भी अच्छा नहीं हो सकता। हर जगह निराशा और हताशा का माहौल छाया हुआ था। लोग सोचने लगे थे, मेहनत करने का ज़्या फायदा? लेकिन आज, देश प्रतिभाओं की तलाश करता है और उन्हें एक मंच प्रदान करता है। 1.4 अरब देशवासियों की ताकत उनके सपनों के पीछे है।

उन्होंने आगे कहा कि डिजिटल इंडिया की सफलता के बदौलत आपके पास इंटरनेट की शक्ति है।

आपके पास सीखने के संसाधन हैं। विज्ञान, प्रौद्योगिकी और स्टार्टअप के क्षेत्र में प्रवेश करने वालों के लिए स्टार्टअप इंडिया जैसे अभियान हैं। खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों के लिए खेलो इंडिया अभियान है।

वीर साहिबजादों का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने युवाओं को बड़े सपने देखने, कड़ी मेहनत करने और अपने आत्मविश्वास को कभी डगमगाने न देने के लिए प्रोत्साहित किया।

दोस्तों के साथ घूमने गई भारतीय मूल की छात्रा रहस्मय तरीके से हुई गायब

नयी दिल्ली २६/१२ (संवाददाता): पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय में भारतीय मूल की 20 वर्षीय छात्रा सुदीक्षा कोनांकी को डोमिनिकन गणराज्य में लापता बताया गया हैए जब वह दोस्तों के साथ स्प्रिंग ब्रेक ट्रिप पर गई थी। अधिकारियों का मानना है कि वह समुद्र की तेज़ लहरों में बह जाने के बाद डूब गई होगी। बायोलॉजिकल साइंस और केमिस्ट्री की छात्रा कोनांकीए सात महिलाओं के एक समूह का हिस्सा थीए जो पुंटा काना के रिउ रिपज़्लिका होटल में छुट्टियां मना रही थीं। पुलिस रिपोर्ट के अनुसारए वह और एक अन्य छात्रा बीच पर ही रुक गईए जबकि समूह के बाकी सदस्य 5 मार्च की रात को अपने होटल लौट आए। कोनांकी को आखिरी बार 6 मार्च को सुबह 4रू50 बजे देखा गया था।उसके पिता सुज़्बारायडू कोनांकी ने ज़्छछ को बताया कि सुदीक्षा और उसके दोस्त एक पार्टी में शामिल होने के लिए बीच पर गए थे। जबकि बाकी लोग होटल लौट आएए सुदीक्षा नहीं लौटी। बाद में समूह ने शाम 4 बजे उसके लापता होने की सूचना दी। डोमिनिकन गणराज्य में स्थानीय अधिकारी उसे ढूंढने के लिए हेलीकॉप्टरों और अन्य संसाधनों का उपयोग करते हुए व्यापक खोज अभियान चला रहे हैंए लेकिन खोज प्रयासों से अभी तक कोई परिणाम नहीं निकला है। अधिकारियों को संदेह है कि घटना के समय कथित तौर पर तैर रही कोनांकी को शक्तिशाली लहर ने समुद्र में खींच लिया होगा। हालांकिए उसके परिवार ने अपहरण या मानव तस्करी की संभावना के बारे में चिंता जताई हैए अधिकारियों से पानी की तलाशी से परे जांच करने का आग्रह किया है।

दिल्ली में गरीबों को 5 रुपये में पौष्टिक और भरपेट खाना मिलेगा, रेखा गुप्ता ने 45 अटल कैंटीन का किया उद्घाटन

नयी दिल्ली २६/१२ (संवाददाता): दिल्ली की मुज़्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के मौके पर राष्ट्रीय राजधानी में अटल कैंटीन का उद्घाटन किया। दिल्ली भर में फैली इन कैंटीनों का मकसद गरीबों को सज़्सिडी वाला खाना देना है। उद्घाटन समारोह में बोलते हुए गुप्ता ने कहा कि सरकार के चुनावी वादे के तहत 45 अटल कैंटीन का उद्घाटन किया जा रहा है, जबकि बाकी 55 पर काम जल्द ही पूरा हो जाएगा।

दिल्ली में अटल कैंटीन में मात्र पांच रुपये में पौष्टिक भोजन उपलज़्ध कराया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य राष्ट्रीय राजधानी के श्रमिकों, गरीबों और अन्य जरूरतमंद लोगों को किफायती दरों में पौष्टिक भोजन उपलज़्ध कराना है। सरकार ने इस महत्वाकांक्षी योजना के संचालन और प्रबंधन के लिए 104.24 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं।

यहां एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि प्रत्येक अटल कैंटीन हर दिन लगभग 1,000 लोगों को भोजन उपलज़्ध कराएगी, जिससे पूरे दिल्ली में प्रतिदिन एक लाख से अधिक लोग लाभान्वित होंगे।

विद्युत एवं आवास और शहरी मामलों के केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने मुज़्यमंत्री रेखा गुप्ता के साथ लाजपत नगर के नेहरू नगर में 'अपना बाजार' के पास स्थित अटल कैंटीन का उद्घाटन किया।

गुप्ता ने मंत्रियों और अन्य लोगों के साथ अटल कैंटीन में भोजन किया तथा अधिकारियों को भोजन की गुणवज़ा तथा स्वच्छता के उच्चतम मानकों को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

इस अवसर पर मनोहर लाल ने कहा कि भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर दिल्ली भर में शुरू की गई अटल कैंटीन सेवा, सुशासन और मानवीय संवेदनशीलता के आदर्शों से प्रेरित एक ऐतिहासिक पहल का प्रतिनिधित्व करती हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सेवा, सुशासन और गरीबों के कल्याण पर केंद्रित दृष्टिकोण के अनुरूप, यह पहल सुनिश्चित करेगी कि दिल्ली में कोई भी भूखा न रहे। गुप्ता ने इस योजना को गरीब और मेहनती नागरिकों के लिए सज़्मान तथा आत्मनिर्भरता का जीवन सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने बताया कि दिल्ली भर में 100 अटल कैंटीन स्थापित की जा रही हैं।

कलिंग समाचार
THE KALINGA SAMACHAR
(A Hindi Daily News Paper)
PUBLISHED FROM ODISHA, JHARKHAND & CHATTISHGARH
FOR NEWS AND ADVERTISEMENT CONTACT
AT: QRS. NO. B/204, SECTOR-16
ROURKELA, PH. 0661-2646999
PRAKASH KUMAR DHAL (EDITOR)
E-mail: thekalingasamachar@gmail.com

विविध समाचार

बच्चों का ब्रेन शार्प के लिए अभी से कराएं ये एक्टिविटी

फ्यूचर संवारने में मिलेगी मदद

हर माता-पिता अपने बच्चे को पढ़ाई-लिखाई में होशियार होने के साथ-साथ उन्हें हर क्षेत्र में आगे बढ़ते देखना चाहते हैं। बच्चों को फ्यूचर के लिए हमेशा तैयार और ऊंचे पोजीशन पर देखने के लिए जरूरी है कि बचपन से ही उन्हें सही गाइडेंस मिले। सिर्फ खेल-कूद या फिजिकली ही नहीं बल्कि जीवन के हर पड़ाव पर आने वाली मुश्किलों से लड़ने के लिए भी बच्चों को मेंटली मजबूत होना चाहिए। इसके लिए बेहद जरूरी है कि पैरेंट्स टीनएज से ही अपने बच्चों में कुछ एक्टिविटीज की आदत डालें, जिससे वह अपने लक्ष्य पर बेहतर तरीके से फोकस करने में सक्षम हो सके। ऐसा करने से फ्यूचर में सफलता प्राप्त करने की संभावना काफी हद तक बढ़ जाती है। तो चलिए जानते हैं कि पैरेंट्स को बच्चों में दो कौन सी आदत डालनी चाहिए, ताकि उन्हें फ्यूचर के लिए तैयार होने में मदद मिल सके।

रोजाना योग की आदत

बच्चों को रोजाना कुछ यागासन या मेडिटेशन आदि करवाते रहना चाहिए। इससे न केवल फिजिकली बल्कि मेंटली स्ट्रॉन्ग होने में भी मदद मिलेगी। इसके अलावा उनमें बचपन से ही एरोबिक्स एक्टिविटी करने की आदत डलवाएं। यह बच्चे को लाइफटाइम के लिए हेल्दी बनाए रखने में मदद करता है।

ब्रेन एक्सरसाइज

बच्चों की मेमोरी शार्प करने के लिए जरूरी है कि आप उन्हें ब्रेन एक्सरसाइज करवाते रहें। इसके लिए मार्केट में मिलने वाले गेम जैसे प्रॉब्लम सॉल्विंग पजल, सुडोकु का इस्तेमाल करवाएं। इससे बच्चे में क्रिएटिविटी क्षमता बढ़ेगी। साथ ही, आपका बच्चा मुसीबत आने पर प्रॉब्लम का सॉल्यूशन भी आसानी से ढूंढ पाएगा।

टीम वर्क की आदत

टीम वर्क में काम करना हर व्यक्ति को आना चाहिए। तभी जीवन में सफलता मिलती है। सिर्फ खुद से मतलब रखने वालों को कभी भी सोशल बिहेवियर के बारे में समझ नहीं आता है। इसलिए जरूरी है कि बचपन से ही बच्चों में टीम वर्क की आदत डाल देनी चाहिए।

बच्चों में स्किल भी है जरूरी

आज की तारीख में स्किल की बहुत डिमांड है। सिर्फ किताबी कीड़ा होने से अब जीवन में आगे बढ़ पाना मुश्किल हो गया है। ऐसे में जरूरी है कि बच्चों के इंटरेस्ट के अनुसार, उन्हें कोई न कोई स्किल जरूर होनी चाहिए। फिर चाहे वह कुकिंग की स्किल हो या फिर म्यूजिक या डांसिंग की। बच्चे में कोई न कोई स्किल की आदत जरूर होनी चाहिए।

स्टाइलिश दिखने के लिए सेलेब्रिटी लुक्स को करें री-क्रिएट

स्टाइलिश दिखने के लिए आपको बॉडी टाइप के हिसाब से ही सूट के डिजाइन को चुनना चाहिए। इसके लिए आप सेलेब्रिटी के लुक्स को री-क्रिएट करें।

सलवार-सूट पहनना हम सभी को पसंद होता है। वहीं इसमें आपको कई तरह के डिजाइन देखने को मिल जाएंगे। बदलते फैशन के दौर में आपको और खासकर गर्मी के मौसम में हम स्किन फेंडली फैब्रिक और डिजाइन के कपड़े ही पहनना पसंद करते हैं ज्यादातर ऑफिस जाने के लिए हम सिंपल और मिनिमल डिजाइन के कपड़े ही पहनना पसंद करते हैं। तो आइये आज हम आपको दिखाने वाले हैं ऑफिस में पहनने के लिए सलवार-सूट के कुछ खास डिजाइंस। साथ ही, बताएंगे इन लुक्स को आकर्षक बनाने के कुछ आसान टिप्स

ए-लाइन सूट

खासकर प्लस साइज इस तरह की स्टैट फिटिंग वाले सलवार-सूट को पहनना सबसे ज्यादा पसंद करते हैं। ऐसा इसलिए यह आपकी बॉडी को पर्फेक्ट और स्लिम लुक देने में सहायता करते हैं। बदलते दौर में इस तरह में आजकल घुटने तक और पर्फेक्ट लेंथ सूट को पसंद किया जा रहा है।

लूज डिजाइन सूट

आजकल पाकिस्तानी स्टाइल लूज डिजाइन के सलवार-कमीज काफी चलन में है। इसमें आपको धोती व एंकल लेंथ वाली पैन्ट्स के साथ में कई डिजाइन के सूट देखने को मिल जाएंगे। आजकल की बात करें तो इसमें आलिया कट और नायरा कट सूट के डिजाइन को काफी पसंद किया जा रहा है।

अंगरखा डिजाइन सूट

फैंसी लुक पाना चाहती हैं तो इस तरह के फ्रंट डोरी यानी अंगरखा डिजाइन के सूट को वार्डरोब में शामिल कर सकती हैं। इस तरह के सूट में आजकल फ्लोर टच लेंथ को काफी ज्यादा सराहा जा रहा है। वहीं डोरी को हैवी और फैंसी लुक देने के लिए आप इसमें लटकन भी लगवा सकती हैं।

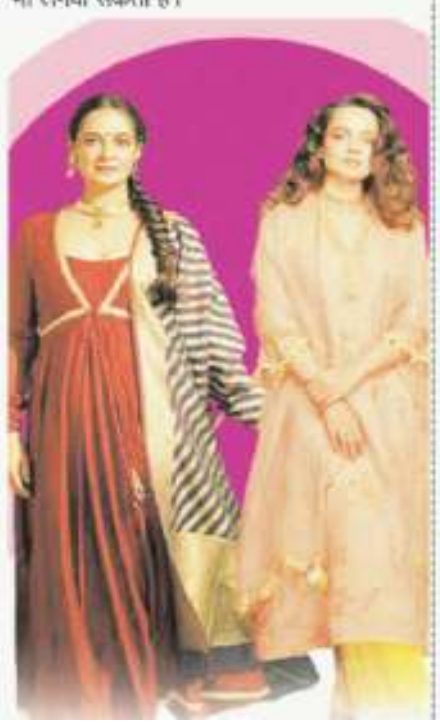

बैंक से जुड़े किसी भी काम को आसानी से निपटाने के लिए कर सकते हैं इन तरीकों का इस्तेमाल

AePS, आधार नंबर और फिंगरप्रिंट या आईरिस स्कैन की मदद से वेरिफिकेशन करके, माइक्रो-एटीएम से वित्तीय लेनदेन करने की सुविधा देता है। इससे बैंक से जुड़े किसी भी काम को आसानी से निपटा सकते हैं।

बैंक से जुड़े किसी भी काम कराने के लिए कई बार हमें लंबी लाइनों में लगना पड़ता है। लेकिन क्या आप जानते हैं, बिना लाइन में खड़े हुए भी आप बैंक से जुड़े किसी भी काम को सिर्फ आधार कार्ड के जरिए कर सकते हैं।

आधार इनेबल्ड पेमेंट सिस्टम = बैंकों की लंबी लाइन से मिलेगी आजादी

नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया द्वारा शुरू किया गया आधार इनेबल्ड पेमेंट सिस्टम देश में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने और बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच को आसान बनाने में अहम भूमिका निभा रहा है। यह ग्रामीण और क्षेत्रीय क्षेत्रों में खास तौर से फायदेमंद है, जहां बैंक शाखाएं कम हैं और लोगों को बुनियादी बैंकिंग कार्यों के लिए लंबी लाइन खड़ी करनी पड़ती है। यह एक डिजिटल लेन-देन प्रणाली है, जो आधार प्रमाणीकरण का इस्तेमाल करके वित्तीय लेन-देन की सुविधा देती है। AePS, आधार नंबर और फिंगरप्रिंट या आईरिस स्कैन की मदद से वेरिफिकेशन करके, माइक्रो एटीएम से वित्तीय लेनदेन करने की सुविधा देता है।

AePS क्या है?

AePS एक बैंक-आधारित मॉडल है, जो आधार कार्ड और बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन का इस्तेमाल करके कस्टमर को अलग-अलग बैंकिंग लेनदेन करने की सुविधा देता है। इसका मतलब है कि आपको बैंक शाखा में जाने या एटीएम का इस्तेमाल करने की जरूरत नहीं है। आप किसी भी AePS-सक्षम कियोस्क या माइक्रो एटीएम पर जाकर लेनदेन कर सकते हैं।

AePS की खासियत

- यह आधार कार्डधारकों को आसानी से लेनदेन शुरू करने और खत्म करने की सुविधा देता है।
- यह बैंकों को अपने शाखा नेटवर्क से बाहर के ग्राहकों तक वित्तीय सेवाएं पहुंचाने में मदद करता है।
- यह चंचित क्षेत्रों में बुनियादी बैंकिंग सेवाओं की पहुंच बढ़ाने में मददगार है।
- यह सरकारी हकदारियों, जैसे कि मनरेगा, सामाजिक सुरक्षा पेंशन और विकलांग वृद्धावस्था पेंशन का वितरण भी करता है।

इस्तेमाल कैसे करें

- AePS का इस्तेमाल करने के लिए, सबसे पहले अपने बैंक खाते को आधार नंबर से लिंक करें। फिर, अपने बैंक से संपर्क करके बताएं कि आप AePS का इस्तेमाल करना चाहते हैं। भुगतानकर्ता या लाभार्थी के पास AePS होना जरूरी नहीं है।
- किसी भी AePS-सक्षम कियोस्क या माइक्रो एटीएम पर जाएं। अपना आधार कार्ड दर्ज करें। अपनी बायोमेट्रिक जानकारी (आमतौर पर फिंगरप्रिंट या आईरिस स्कैन) प्रदान करें। लेनदेन का प्रकार चुनें (जैसे नकद निकासी, फंड ट्रांसफर)। जरूरी जानकारी दर्ज करें (जैसे राशि, प्राप्तकर्ता का अकाउंट नंबर)। लेनदेन की पुष्टि करें।

क्या है के लाभ

- आधार कार्ड धारक अपने आधार-सक्षम बैंक खाते तक पहुंच सकते हैं।
- शेष राशि की जांच की जा सकती है।
- नकद निकासी की जा सकती है।
- पैसे ट्रांसफर किए जा सकते हैं।
- जमा किए जा सकते हैं।
- विदेश में पैसा भेजा जा सकता है।
- बैंक से जुड़े दूसरे काम किए जा सकते हैं।
- किसी भी बैंक के बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट के जरिए पीओएस (माइक्रो एटीएम) पर ऑनलाइन लेन-देन किए जा सकते हैं।
- कैशलेस भुगतान और पैसे के लेनदेन को बढ़ावा मिलता है।
- AePS भारत में वित्तीय दर को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभा रहा है। यह ग्रामीण और क्षेत्रीय क्षेत्रों के लोगों को बैंकिंग सेवाओं तक आसान पहुंच प्रदान कर रहा है और उन्हें बैंक शाखाओं पर अपनी निर्भरता कम करने में मदद कर रहा है। इसके जरिए, आधार ऑथेंटिकेशन के जरिए पेमेंट किया जा सकता है।

AePS के जरिए ये काम किए जा सकते हैं

नकद जमा, नकद निकासी, बैलेंस पूछताछ, मिनी स्टेटमेंट, आधार से आधार फंड ट्रांसफर।

प्रोडक्ट डिफेक्टिव निकलने पर भी हो सकता है स्कैम इन बातों का रखें ध्यान

ऑनलाइन शॉपिंग बढ़ने के साथ-साथ, खराब प्रोडक्ट या गलत प्रोडक्ट मिलने पर रिफंड या रिप्लेसमेंट के नाम पर स्कैम होने का खतरा भी बढ़ गया है। इन बातों का ध्यान रखें।

अगर आप ऑनलाइन शॉपिंग के बाद डिलिवर हुए डिफेक्टिव प्रोडक्ट का कंपनी के कस्टमर केयर से कम्प्लेंट कर के सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हैं। या फिर सोशल मीडिया पर कंपनी को टैग कर के स्टोरी लगाते हैं, तो सावधान हो जाइए, आपके साथ स्कैम हो सकता है। असल में जब कोई कस्टमर सोशल मीडिया पर ऐसी कोई पोस्ट करता है तो स्कैमर्स सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर के आपके साथ धोखाधड़ी को अंजाम देते हैं। ऑनलाइन शॉपिंग में तेजी से बढ़ोतरी के साथ, फ्रॉड के मामले भी बढ़ रहे हैं। प्रोडक्ट डिफेक्टिव यानी फॉल्टी प्रोडक्ट के रिफंड के नाम पर भी स्कैम हो रहे हैं, इसके लिए स्कैमर्स सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हैं। ये स्कैमर्स, फेक ब्रांड कस्टमर बनकर लोगों से बात करते हैं। फिर, ग्राहक को प्रोडक्ट के रिफंड के नाम पर मैसेज पर लिंक भेजते हैं। इस लिंक में ग्राहक से बैंक डिटेल्स भरवाई जाती हैं और फिर अकाउंट खाली कर दिया जाता है।

रिफंड और रिकवरी घोटालों से बचने के लिए, इन बातों का ध्यान रखें –

गाइडलाइन के मुताबिक कभी भी बैंक ट्रांजैक्शन की डिटेल सोशल मीडिया पर नहीं डालनी चाहिए। इसके अलावा ब्रांड के ही कस्टमर केयर या हेल्पलाइन नंबर पर ही कम्प्लेंट करें।

- अगर कम्प्लेंट करने पर भी कार्रवाई न हो तो, कंज्यूमर फोरम में शिकायत करें।
- ऐसी किसी भी कार्रवाई के लिए मामले का निवारण न हो जाने तक कस्टमर और कंपनी के बीच बात रखें, गोपनीयता बनाए रखने से स्कैम होने का डर कम हो जाता है।
- अपनी खोई हुई रकम से ज्यादा रकम का रिफंड चेक न जमा करें।
- कुछ घोटालेबाज कहेंगे कि उन्होंने चेक भुनाने, बकाया राशि अपने पास रखने और बाकी रकम लौटाने में गड़बड़ी की है। इससे अक्सर घोटाला हो सकता है।
- किसी बैंक को यह पता लगाने में कई हफ्ते लग सकते हैं कि उसके द्वारा क्लीयर किया गया चेक नकली था।
- इस बीच, अगर आप घोटालेबाज को पैसे लौटाते हैं, तो बैंक आपसे वह पैसा चुकाना चाहेगा।

इनकम टैक्स रिफंड के नाम पर भी स्कैम होते हैं। ऐसे में, इन बातों का ध्यान रखें

- अनचाहे मैसेज
- अर्जेंट रिक्वेस्ट
- संदिग्ध लिंक
- निजी जानकारी के लिए रिक्वेस्ट
- सोर्स को वेरीफाई करें
- पर्सनल डिटेल्स साझा करने से बचें
- सेफ प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करें

ऑनलाइन शॉपिंग में सुरक्षित खरीदारी

- केवल पहचाने वेबसाइटों और विक्रेताओं से खरीदारी करें।
- खरीदने से पहले उत्पाद समीक्षाएं और रेटिंग जरूर पढ़ें।
- क्रेडिट कार्ड या डेबिट कार्ड का इस्तेमाल करते समय, इस बात का ध्यान रखें कि वेबसाइट HTTPS सुरक्षित है।
- अपनी निजी जानकारी शेयर करने में सावधानी बरतें, किसी भी विक्रेता के साथ अपनी बैंक अकाउंट जानकारी या अन्य जानकारी शेयर करने से पहले सावधान रहें।
- अगर कोई ऑफर या छूट बहुत अच्छी लगती है, तो कई बार यह सच नहीं भी होता है।
- अपने बैंक स्टेटमेंट और क्रेडिट कार्ड स्टेटमेंट को नियमित तौर पर जांचें और किसी भी अनऑथराइज्ड लेनदेन की रिपोर्ट करें।

कलिंग समाचार

संपादकीय

शनिवार 27 दिसंबर 2025

मोबाइल के बाहर भी हैं वाट्सएप विश्वविद्यालय

पिछले करीब दस वर्षों से भारत में वाट्सएप यूनिवर्सिटी के तो खूब चर्चे होते आये हैंए लेकिन बहुत कम लोगों को पता था कि इसके समांतर ही देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के जरिये भी ज्ञानगंगाएं प्रवाहित हो रही है जो युवाओं को उसी तरह से दीक्षित कर रहे हैं जैसे कि वाट्सएप विवि। इसका एक उदाहरण दिल्ली में दिखलाई दिया जब देश की राजधानी से सटे ग्रेटर नोएडा के एक निजी विवि के छात्र.छात्राओं ने कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस विश्वविद्यालय में पल्लवित हो रही प्रतिभाओं के बारे में शायद ही लोगों को पता चल पाता लेकिन एक न्यूज़ चैनल के पत्रकार ने इस प्रदर्शन में शामिल कुछ छात्रों के ज्ञान की जांच कर ली जो विरोध प्रदर्शन करने के लिये बुधवार को कांग्रेस के मु यालय की ओर जा रहे थे। आश्चर्य की यह बात सामने आई कि प्रदर्शन कर रहे जा रहे छात्रों में से कोई भी यह नहीं समझा पाया कि वे प्रदर्शन क्यों कर रहे थे। और तो औरए उनके हाथों में जो त तियां थीं उनका अर्थ बतलाना तो दूरए वे उसे पढ़ तक नहीं पा रहे थे। जब पत्रकार ने युवाओं के हाथों में लगी त तियों पर सवाल करने शुरू किये तो पता चला कि उन्हें पता तक नहीं था कि किन मुद्दों को लेकर वे प्रदर्शन कर रहे हैंए उन्हें केवल यह पता था कि वे कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं और भाजपा के समर्थन में हैं। छात्र.छात्राओं के हाथों में जो त तियां थीं उनमें लिखा था. श्पहले लेंगे आपका वोट फिर ले लेंगे मंगलसूत्र और नोटश्ए श्मां.बहनों के गहनों पर नज़र न गड़ाओश्ए श्70 सालों में नहीं दी दीया.बत्ती अब छीन लेंगे आधी स पत्तिश्ए श्नो प्लेस फॉर अर्बन नक्सलश् आदि। छात्र.छात्राएं विवादित इनहेरिटेंस टैक्स या भाजपा के कथित विकसित भारत की अवधारणा तथा वास्तविकता के बारे में कुछ भी बतला नहीं पा रहे थे। यहां तक कि कांग्रेस के जिस घोषणापत्र का वे विरोध कर रहे थेए उसे किसी ने पढ़ा तक नहीं था। जाहिर है कि वे उसके बारे में वही सब कुछ कह रहे थे जो उन्हें बताया गया था या जो वाट्सएप विवि के माध्यम से उनके मोबाइलों तक पहुंच रहा है। छात्र जो त तियां हाथों में लिये हुए थेए उन पर लगभग वे ही नारे लिये हुए थे जो भाजपा के होते हैं। इनमें कांग्रेस व इंडिया गठबन्धन की सरकार बनने पर लोगों का सोना और मंगलसूत्र छीन लेने की बात लिखी गयी थी। इस पर जब रिपोर्टर ने प्रश्न किये तो छात्र विषय से पूर्णतरू अनभिज्ञ साबित हुए। साफथा कि उनके हाथों में ये त तियां पकड़ाई गयी थीं। अब यह शोध का विषय हो सकता है कि आखिर उन्हें ये नारे लिखकर किसने दिये और छात्रों से इस प्रकार का प्रदर्शन करवाने का औचित्य क्या था। फिरए क्या छात्रों की खुद की समझ इतनी भी नहीं है कि वे किसी के उकसाने पर या कहने पर ऐसा प्रदर्शन करने चले आये। निजी यूनिवर्सिटी में फीसए अधोसंरचना एवं सुविधाओं को देखें तो पता चलता है कि उसमें अच्छे.खासे खाते.पीते लोगों के बच्चे ही पढ़ सकते हैं। अगर ऐसे शिक्षण संस्थान में पढ़ने वालों की राजनैतिक समझ ऐसी हो तो अर्द्ध शिक्षित युवाओं को बहका पाना कितना आसान हैए यह भी इस प्रदर्शन को देखकर समझा जा सकता है। पिछले 10 वर्षों से नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चल रही केन्द्र सरकार के दौरान युवाओं व छात्रों का जिस प्रकार से ब्रेनवाश हुआ है उसका परिणाम किस तरह की युवा पीढ़ी को पैदा कर सकता है. यह भी इस वीडियो को देखकर समझा जा सकता है। भाजपा व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा आईटी के जरिये जिस अज्ञानता का प्रसार किया गया है उसका यह साक्षात उदाहरण कहा जा सकता है। यह वीडियो अब खूब वायरल हो रहा है। यही युवा विद्यार्थी वर्ग भाजपा.संघ का कोर वोटर है। मोदी की लोकप्रियता का आधार किस प्रकार की घृणा और विवेकहीनता पर टिकी है. यह भी इस वीडियो को देखकर जाना जा सकता है। छात्रों के साथ पत्रकार की हुई बातचीत जहां एक ओर छात्रों के सामान्य ज्ञान पर सवालिया निशान उठाती है वहीं देश की शिक्षा का स्तर क्या है. यह भी उससे जाहिर हुआ है। माना यह भी जा रहा है कि संचालकों की शह पर यह प्रदर्शन जुलूस निकाला गया था जो स भवतरू भारतीय जनता पार्टी को खुश करना चाहते हों। ग्रेटर नोएडा में होने के नाते उत्तर प्रदेश की सरकार को भी खुश करने का इसका मकसद हो सकता है।

नई राजनीति की जरूरत, पुराने चेहरों का बोझ

अरविन्द मोहन

इस बार यह शोर पहले से मच रहा है। दूसरी ओर भाजपा सरकार ने लालू जी और उनके परिवार पर कानूनी शिकंजा कसना शुरू कर दिया है जो चुनाव पास आने तक नाटकीय रूप ले लेगा। लालू जी इससे निजी रूप से कमजोर पड़ें न पड़ेंए राजनैतिक रूप से कमजोर होंगे। उधर राजद का मतलब अहीर और मुसलमान गठजोड़ से आगे बढ़ ही नहीं रहा है और ऐसा गठजोड़ जैसे ही ताकतवर दिखता है।

आखिरकार निशांत कुमार का बयान भी आ गया कि एनडीए को चाहिए कि नीतीश को कुमार को ही मु यमंत्री बनाए रखने की घोषणा कर दे। निशांत माने नीतीश कुमार के पुत्र। पहली बार सार्वजनिक रूप से ऐसा बयान देकर उन्होंने कई तरह के संकेत दिए। निश्चित रूप से पहला संकेत तो राजनीति में आने का है। बीते बीस साल से मु यमंत्री के संग रहने और अकेली संतान होने के चलते सारा लाड़.प्यार पाने के बावजूद अभी तक उनके किसी आचरण को लेकर किसी तरह की चर्चा नहीं थी। बल्कि वे इतने शांत और सावधान तरीके से रहते थे कि काफी सारे राजनैतिक पंडित उनके सामान्य होने पर ही शक करते थे। अब अगर वे बीआईटी मेसरा से इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद और पचास साल की उम्र में और पार्टी तथा समाज के अनेक पक्षों से बार.बार की जा रही मांग के बाद सक्रिय होने का फैसला करते हैं तो उन्हें शुभकामना दी जा सकती है। अपनी स्वर्गवासी मां के जन्मदिन पर आयोजित किसी कार्यक्रम में उन्होंने यह बात कही और जदयू का प्रदर्शन पहले से बेहतर होने की बात भी कही।

यह संयोग है कि उनका कहना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अपने बिहार दौरे में नीतीश जी को श्लाड़ला मु यमंत्रीश् बताने के दो दिन बाद ही हुआ। प्रधानमंत्री ने इस दौरे के साथ ही भाजपा और एनडीए के चुनाव अभियान का शंखनाद भी कर दिया। इसमें की लोगों को पांच साल पहले बीच कोरोना में हजारों रंगीन टीवी सेट के माध्यम से बिहार में आनलाइन शंखनाद करने वाला प्रसंग भी याद आया क्योंकि प्रधानमंत्री ने एक साथ बिहार के सारे कोनों को छू लिया था। उन्होंने नीतीश जी को आगे रखकर चुनाव लड़ने की घोषणा नहीं की। शायद उनके पास ऐसा कोई और नाम है भी नहीं। लेकिन बीते साल भर में एनडीए और भाजपा की तरफ से यह कहा जाता रहा है। कमाल यह है कि इसके बावजूद निशांत कुमार को यह बात दोहराने की जरूरत हुई। बीते दो.तीन महीनों में विपक्षी राजद की तरफ से नीतीश कुमार के एक बार फिर से पाला बदलने की बात उछाली जा रही है और लालू प्रसाद यादव ने अब भी नीतीश का स्वागत करने की बात भी चला दी है।

खुद नीतीश कुमार भी इस सवाल पर अपने ही आचरणों से संदेह गहरा रहे हैं। दिल्ली के अपने दो दौरों में उन्होंने भाजपा के किसी नेता से भेंट नहीं की या भाजपा के शीर्ष नेताओं ने उन्हें समय न दिया। वे दिल्ली में भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण में भी नहीं ये जबकि एनडीए के बाकी सभी मु यमंत्री ये। उससे भी ज्यादा चर्चा उनकी पार्टी के दो बड़े नेताओं का दिल्ली आकर पूरी तरह भाजपा के रंग में रंगना है और इसे ही राजनैतिक पंडित नीतीश कुमार की घेराबंदी बताते हैं। नीतीश बिहार में भी भाजपा के एक गुट के व्यवहार को लेकर बहुत प्रसन्न नहीं रहते। यह समूह भाजपा के अकेले चुनाव लड़ने की वकालत भी करता है। यह अटकल भी लगती है कि चुनाव तक भाजपा उनको आगे रखकर बाद में कोई और पद या जि मा दे देगी। नीतीश और उनके समर्थक यह नहीं चाहते। अब जाने अनजाने भाजपा का समर्थन आधार बढ़ता गया है लेकिन अगड़ों को छोड़कर कोई और सामाजिक समूह पक्का समर्थक नहीं है.बीच के प्रयास नीतीश मामले में हां.ना के चक्कर में खिसक गया है।

इसलिए निशांत के बयान का एक तीसरा मतलब भाजपा के संग अपनी पार्टी के अगड़े नेताओं के लिए भी है जिनकी भाजपा से नजदीकी जगजाहिर है। यही लोग नीतीश कुमार के पाला बदलकर भाजपा के संग आने का माध्यम भी बने थे और अभी दिल्ली में जमे हैं। भाजपा को भी इस बयान का मतलब यह निकालना चाहिए कि नीतीश कुमार ललन सिंहए विजय चौधरी और संजय झा जैसों के समांतर किसी अपने और ज्यादा भरोसेमंद को खड़ा करना चाहते हैं। निशांत पिता की इच्छा देखकर ही पंख फैलाना शुरू कर रहे हैं। इस क्रम में आईएएस रामचन्द्र प्रसाद सिंह का प्रसंग याद करना चाहिए जो ज्यादा पंख फैलाकर झुलस चुके हैं। जब वे नीतीश जी के साथ थे तो बिना राजनैतिक पृष्ठभूमि के भी सबसे भरोसेमंद थे।

दूसरी ओर कांग्रेस और राजद के रिश्ते एनडीए के घटकों से भी ज्यादा खराब हैं। हरियाणा का चुनाव हारने के बाद तो अखिलेश और तेजस्वी का रुख भी बदला। दिल्ली चुनाव ने दूरी और बढ़ाई और अब तो एक दूसरे के खिलाफ बयानबाजी भी शुरू हों गई है। भाजपा की तरह कांग्रेस में भी कुछ लोग अलग होकर अकेले चुनाव लड़ने की वकालत कर रहे हैं। कांग्रेस का भी आधार या स्वीकृति बढ़ी है लेकिन कोई एक या दो ठोस सामाजिक आधार नहीं है।

मुसलमान समर्थक हैं लेकिन राजद साथ न हो तो उनका वोट मिलने का भरोसा नहीं है। संगठन कमजोर है और अगर कन्हैया कुमार और पप्पू यादव जैसे उत्साही उसके पास हैं तो लालू.तेजस्वी उनको जमीन देने को तैयार नहीं हैं। लालू जी ने पिछले लोकसभा चुनाव में अहीरों को काम टिकटए कोइरी समाज को ज्यादा टिकट और वाम दलों समेत सारे विरोधियों को साथ लेकर अच्छी टक्कर दी लेकिन पहले दो राउंड के बाद भाजपा फिर से जंगल राज का शोर मचाकर बाजी पलट दी।

इस बार यह शोर पहले से मच रहा है। दूसरी ओर भाजपा सरकार ने लालू जी और उनके परिवार पर कानूनी शिकंजा कसना शुरू कर दिया है जो चुनाव पास आने तक नाटकीय रूप ले लेगा। लालू जी इससे निजी रूप से कमजोर पड़ें न पड़ेंए राजनैतिक रूप से कमजोर होंगे। उधर राजद का मतलब अहीर और मुसलमान गठजोड़ से आगे बढ़ ही नहीं रहा है और ऐसा गठजोड़ जैसे ही ताकतवर दिखता है भाजपा को सुविधा हो जाती है और गैर यादव पिछड़ों का वोट बढ़ जाता है तथा अगड़ों का वोट ज्यादा गोलबंद होकर मिलता है। जब तक नेतृत्व में हिस्सेदारी और लोकतान्त्रिक व्यवहार की उ मीद न हों दूसरे पास आते नहीं और लालू जी से परिवार से अलग नेता और लोकतान्त्रिक आचरण की उ मीद करना कुछ ज्यादा ही मुश्किल लक्ष्य है। दुर्भाग्य यह है कि जिस बिहार को अब नई राजनीति की जरूरत है वहां सब कुछ दो थके पुराने चेहरों के इर्द.गिर्द चलता दिखता है।

खनिजों पर अमेरिका–यूक्रेन डील चीन को मात देने की एक सोची–समझी कोशिश

अंजन रॉय

यूक्रेन के साथ ट्रप इस सौदे के ज़रिये अपने असं य प्राकृतिक संसाधनों. तेल और गैसए टाइटेनियम और दुर्लभ पृथ्वी और अन्य खनिजों . को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैंए जो वर्तमान में वैश्विक स्तर पर चीन के कब्ज़े में हैं। यूक्रेन में 22 महत्वपूर्ण खनिज हैं जिन्हें अमेरिका ने रक्षा से लेकर ईवी बैटरी निर्माण जैसे विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए सूचीबद्ध किया है।

24 फरवरीए 2022 को शुरू हुआ रूस.यूक्रेन युद्ध अब तीन साल बाद समाप्त होने वाला है। अपने दावों के अनुसारए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रप इस युद्ध को समाप्त करने के लिए सभी पक्षों के साथ सौदे कर रहे हैं। यह सच है कि ट्रप ने शर्मनाक तरीके से सभी सिद्धांतों को त्याग दिया है और अपने मगा ;मेकअमेरिक ग्रेट अगेनद्ध लक्ष्यों की तलाश में रूसी राष्ट्रपति के साथ एक गुप्त समझौता किया है।

पश्चिमी देशों की प्रमुख समाचार एजंसियां अमेरिका और यूक्रेन के बीच एक महत्वाकांक्षी खनिज सौदे की रिपोर्ट कर रही हैंए जो वास्तव में युद्ध के अंत की घोषणा करता है। राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की शुक्रवार को व्हाइट हाउस का दौरा करेंगे और राष्ट्रपति ट्रप के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। यूक्रेन के साथए ट्रप इस सौदे के ज़रिये अपने असं य प्राकृतिक संसाधनों. तेल और गैसए टाइटेनियम और दुर्लभ पृथ्वी और अन्य खनिजों . को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैंए जो वर्तमान में वैश्विक स्तर पर चीन के कब्ज़े में हैं। यूक्रेन में 22 महत्वपूर्ण खनिज हैं जिन्हें अमेरिका ने रक्षा से लेकर ईवी बैटरी निर्माण जैसे विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए सूचीबद्ध किया है।

यूक्रेन में पहचाने गये कुछ संसाधनए इनमें से कम से कम 85 प्रतिशत वर्तमान में चीन में संसाधित किये जाते हैं। अगर चीन विदेशों में खरीदारों को उनकी आपूर्ति पर रोक लगाता है तो अमेरिका के लिए यह मुश्किल होगा।इन खनिजों का मूल्य लगभग 100 बिलियन से 500 बिलियन के बीच अनुमानित है और चीन के साथ अपने विवाद में अमेरिका के लिए यह एक बड़ी राहत होनी चाहिए। इन खनिज संसाधनों तक स्वतंत्र पहुंच से अमेरिका को चीन को और अधिक आक्रामक तरीके से धमकाने में मदद मिलेगी।यूक्रेन के साथ अमेरिकी सौदे को एक श्सुरक्षा रैकेटश् कहा जाता हैरू रूसियों से लड़ने के लिए अब तक अमेरिका द्वारा देश को दी गयी हर 1 डॉलर की मदद के लिए 2 संसाधन दिये जा रहे हैं। संसाधन सौदे से उत्पन्न धन का उपयोग देश के पुनर्निर्माण के लिए किया जाना चाहिए। इसका मतलब संयुक्त राज्य अमेरिका की निर्माण फर्मों के लिए भी व्यापार होगा।

अमेरिका और यूक्रेन द्वारा इन खनिजों का संयुक्त विकासए यूक्रेन की धरती परए प्रभावी रूप से युद्धविराम और शत्रुता की समाप्ति का भी मतलब होगा। ऐसा लगता है कि ये सौदे बंदूक की नोंक पर किये गये थे। डोनाल्ड ट्रप के पास कानून के शासन और क्षेत्रीय अखंडता पर आधारित अंतरराष्ट्रीय प्रणाली के लिए बहुत कम स मान है।

इसलिए यह सौदा वस्तुतरू यूक्रेन के कब्जे वाले हिस्सों पर रूसी दावों को औपचारिक मान्यता देता है। यह रूसी राष्ट्रपति को उनके आक्रामक कृत्य के लिए एक तरह की छूट देता है। यूक्रेन पर संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव में इस स्थिति की पुष्टि की गयी है जिसमें रूस को आक्रामक नहीं बताया गया है।यह नीति का पूर्ण उलटफेर है। अमेरिका ने सभी देशों में से रूस और उत्तर कोरिया के साथ मिलकर मतदान किया है

इसके अलावा अमेरिका यूरोपीय संघ के देशों और उसके पारंपरिक सहयोगियों के खिलाफ मतदान कर रहा था। इसने पूरी भू.राजनीतिक तस्वीर बदल दी। रूस और अमेरिका ने यूरोपीय संघ और अन्य के खिलाफ एक साथ मतदान किया। यह पहली बार है जब अमेरिकियों और यूरोपीय लोगों ने संयुक्त राष्ट्र में विरोधी पक्षों में मतदान किया।

उल्लेखनीय रूप सेए प्रस्ताव पर दो महत्वपूर्ण अनुपस्थिति रही हैए इनमें से एक रूस का असीम मित्र है। चीन और ईरान ने सबसे अधिक अनुपस्थिति दिखाई है। अमेरिका और रूस की अचानक निकटता ने रूस और अमेरिका के बीच संबंध बनाने और रूस को चीनी सर्किट में मजबूती से फंसाने की चीनी कूटनीति की वर्षों की चाल को विफल कर दिया है। इस प्रकारए अमेरिका के यूक्रेन सौदे में कई अन्य देशों के साथ दोहरी डील हुई है। यह डील चीन को कई तरह से रूस से अलग.थलग कर देगी और रूस को एक तरह से अमेरिकी दायरे में लायेगी।बेशक चीन यूक्रेन युद्ध के दौरान रूस को समर्थन दे रहा थाए लेकिन रूस को चीन का जूनियर पार्टनर महसूस कराया गया। दूसरी ओरए पश्चिमी यूरोपीय देशए अर्थात् यूरोपीय संघ और ब्रिटेन अलग.थलग पड़ गये हैं। उनका पक्का दोस्त चला गया है। उन्होंने चीन के साथ तनावपूर्ण संबंध विकसित किये हैं। उनके पास सुरक्षा के लिए बहुत अधिक ताकत नहीं बची हैए इसलिए वे भी रूस की दया पर निर्भर हैं। लेकिन फ्रांस ने अभी भी अपने घरेलू मैदान में अमेरिका पर कूटनीति के कुछ अंक हासिल किये हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने बुधवार को व्हाइट हाउस में संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बात बीच में ही काट दी। पहली बारए संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने बढ़त हासिल की और उन्होंने कई मौकों पर ट्रंप को सही किया।

फ्रांसीसी उपशीर्षकों और बारीकियों के साथ मैक्रों ने ट्रंप को आसानी से मात दे दीए जब उन्होंने दावा किया कि यूरोपीय देशों ने यूक्रेन की रक्षा के लिए वास्तव में अमेरिका की तुलना में भुगतान नहीं किया। मैक्रों ने दृढ़ता से हस्तक्षेप करते हुए बताया कि यूरोपीय संघ ने यूक्रेन की रक्षा के लिए धन मुहैया कराया थारू श्पैसाए असली पैसा.य। ट्रंप चुप हो गये।व्हाइट हाउस के अनुभवी संवाददाताओं ने बताया कि एक बार ट्रंप प्रेस कॉन्फ्रेंस में चुप रहेए जबकि मैक्रों ने अपने दृष्टिकोण को विस्तार से बताया। व्हाइट हाउस से बाहर आने के बाद भी मैक्रों ने पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप की आलोचना की।

उपचुनावों में तृणमूल की जीत से ममता की इंडिया ब्लॉक में स्थिति मजबूत

सात्यकी चक्रवर्ती

विपक्षी दलोंए खासकर वामपंथियों को उ मीद थी कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल सरकार के भ्रष्टाचार को निशाना बनाकर किये गये इस उभार का छह निर्वाचन क्षेत्रों में लोगों के चुनावी मूड पर वामपंथियों के पक्ष में असर पड़ेगाए लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। इसके बजायए मतदाताओं ने टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी के पक्ष में अपने जनादेश का इस्तेमाल किया। यह इस तथ्य से स्पष्ट है कि वामपंथी उ मीदवारों की न केवल जमानत जब्त हुईए बल्कि 2021 के विधानसभा चुनावों की तुलना में मतदान के आंकड़े भी काफी कम रहे।

पश्चिम बंगाल में छह विधानसभा क्षेत्रों में हुए उपचुनावों में तृणमूल कांग्रेस के उ मीदवारों की जीत तृणमूल नेतृत्व की उ मीदों से भी शानदार रही। 2021 के विधानसभा चुनावों में छह सीटों में से एक मदारीहाट सीट भाजपा के पास थीए जबकि अन्य पांच सीटें तृणमूल के पास थीं। उपचुनावों में जिसके परिणाम 23 नवंबर को घोषित किए गएए टीएमसी ने न केवल अपनी पांच सीटों को बहुत बड़े अंतर से बरकरार रखाए बल्कि भाजपा की सीट पर उसके उ मीदवार को 30ए000 से अधिक मतों से हराकर सभी छह सीटों पर कब्जा कर लिया। 2021 के चुनावों में भाजपा ने टीएमसी को 29ए000 मतों से हराकर मदारीहाट सीट जीती थी।

आरजी कार कॉलेज में एक महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या से संबंधित दुखद घटना के बाद मतदान हुआए जिसके कारण डॉक्टरों और आम लोगों की भावनाओं में अभूतपूर्व उछाल आया और पीड़िता के लिए न्याय की मांग की गयी। इस उभार ने एक व्यापक आंदोलन का रूप ले लिया जिसमें वामपंथी दलोंए विशेष रूप से सीपीआई ;एमद्ध ने बढ़.चढ़कर हिस्सा लिया। 9 अगस्त से शुरू हुआ आंदोलन 21 अक्टूबर तक जारी रहाए जिस दिन डॉक्टरों ने पश्चिम बंगाल सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत के बाद अपनी भूख हड़ताल वापस ले ली।

विपक्षी दलोंए खासकर वामपंथियों को उ मीद थी कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल सरकार के भ्रष्टाचार को निशाना बनाकर किये गये इस उभार का छह निर्वाचन क्षेत्रों में लोगों के चुनावी मूड पर वामपंथियों के पक्ष में असर पड़ेगाए लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। इसके बजायए मतदाताओं ने टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी के पक्ष में अपने जनादेश का इस्तेमाल किया। यह इस तथ्य से स्पष्ट है कि वामपंथी उ मीदवारों की न केवल जमानत जब्त हुईए बल्कि 2021 के विधानसभा चुनावों की तुलना में मतदान के आंकड़े भी काफी कम रहे।

वाम मोर्चे के नेता सीपीआई ;एमद्ध केवल एक सीट पर चुनाव लड़ी और 2021 की अपनी दो अन्य सीटों परए पार्टी ने हरोआ में आईएसएफ और नैहाटी में सीपीआई ;एमएलद्ध लिबरेशन को चुनाव लड़ने दिया। पार्टी को तलडांगा सीट पर सबसे खराब स्थिति का सामना करना पड़ाए जहां वह चुनाव लड़ी थी। इसका वोट शेयर 4 प्रतिशत से भी कम था। विडंबना यह है कि हरोआ में केवल आईएसएफ उ मीदवार ही अपनी जमानत बचा सका। इस परिणामों ने वामपंथियों को पूरी तरह से चुनावी जंगल में डाल दिया लगता है।

जहां तक भाजपा का सवाल हैएराज्य पार्टी नेतृत्व के पास कोई बहाना नहीं है। टीएमसी के खिलाफउसके सारे अभियान कोई नतीजा नहीं दे पायेए हालांकि एक को छोड़करए भाजपा वोटिंग के आंकड़ों के मामले में टीएमसी के बाद दूसरे नंबर की पार्टी बनी हुई है। लेकिन वह दूसरा नंबर बहुत दूर भारी मतों के अन्तर से है। मदारीहाट की इस हार के साथए राज्य विधानसभा में भाजपा की ताकत 2021 के विधानसभा चुनावों के बाद मिले 77 के मूल स्तर से घटकर लगभग 69 रह गयी है। भाजपा के पास बंगाल में पेश करने के लिए कोई नया कार्यक्रम नहीं हैए सिवाय मोदी की गारंटी की बात करने और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में हालिया जीत पर खुशी मनाने के। बंगाल में अगला विधानसभा चुनाव अप्रैलध्मई 2026 में होना है।

विविध समाचार

अब होनहार और मेधावी बच्चों की अंतर्राष्ट्रीय पढ़ाई के लिए आर्थिक तंगी नहीं बनेगी रुकावट

चंडीगढ २६/१२ (संवाददाता): पंजाब की मिट्टी का कर्ज चुकाने और यहां के होनहार युवाओं के सपनों को पंख लगाने के मकसद से, समाजसेवी और ऑस्ट्रेलिया के सफल शिक्षाविद् गैरी मल्होत्रा ने एक ऐसा ऐतिहासिक कदम उठाया है, जो अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा। यूनिवर्सल बिजनेस स्कूल सिडनी ऑस्ट्रेलिया के मंच से उन्होंने पंजाब के मेधावी छात्रों के लिए वे रास्ते खोल दिए हैं, जिन पर चलने से उन्हें पैसे की तंगी हमेशा रोकती थी।

चंडीगढ़ में आयोजित एक समारोह में प्रतिष्ठित बुद्धिजीवियों, चिंतकों, प्रोफेसरों, प्रिंसिपलों, शिक्षकों और नामी कलाकारों ने विशेष रूप से शिरकत की। इस अवसर पर ग्रुप कॉलेज ऑस्ट्रेलिया और यूबीएसएस ऑस्ट्रेलिया के प्रेसिडेंट गैरी मल्होत्रा ने कहा कि पंजाब की असली ताकत इसकी जवानी है, और यदि इस जवानी को सही अवसर दिया जाए तो वह दुनिया फतह कर सकती है। इसी सोच के मद्देनजर यूबीएसएस द्वारा होनहार छात्रों के हितों की रक्षा करने वाले कई प्रोग्राम लॉन्च किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस नेक मिशन की आवाज पंजाब के कोने–कोने तक पहुंचाने के लिए, लोकप्रिय अभिनेता गुरप्रीत घुग्गी को ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। घुग्गी साहब का व्यक्तित्व इस बात का गवाह है कि साधारण घरों के बच्चे भी बड़े सपने देख और पूरे कर सकते हैं। इस अवसर पर गैरी मल्होत्रा के विजन के तहत, न्ठै ऑस्ट्रेलिया ने भारत की शान प्प्ज रोपड़ के साथ हाथ मिलाया है। यह साझेदारी सुनिश्चित करेगी कि पंजाब के छात्रों को विश्व स्तरीय शिक्षा और तकनीकी ज्ञान मिले, ताकि वे दुनिया के किसी भी कोने में अपनी काबिलियत का लोहा मनवा सकें। उन्होंने बताया कि यूबीएसएस द्वारा जरूरतमंद, मेधावी और होनहार छात्रों और उनके माता–पिता की एक बड़ी चिंता को खत्म करने का प्रयास किया गया है। जिसके तहत '100: सेल्फ–स्पॉन्सर प्रोग्राम' छात्रों को बिना किसी गारंटी के पढ़ाई करने का अवसर देगा। यह एक भरोसा है कि आपकी काबिलियत ही आपकी सबसे बड़ी गारंटी है। अपनी समाजसेवी संस्था 'हेल्पिंग हैंड' के माध्यम से उन्होंने 25 ऐसे मेधावी छात्रों को सालाना 100: स्कॉलरशिप देने का प्रण किया है, जिनकी गरीबी उनके सपनों के रास्ते में आती है। यह कदम सुनिश्चित करेगा कि गरीबी किसी हीरे की चमक को फीका न कर सके। इस मौके पर गुरप्रीत घुग्गी ने कहा कि मेरे लिए यह बहुत गर्व की बात है कि मैं गैरी मल्होत्रा जैसे युवा और दूरदर्शी उद्यमी के नेक मिशन से जुड़ा हूं। मलेरकोटला के एक छोटे से गांव से उठकर गैरी मल्होत्रा ने ऑस्ट्रेलिया के सिडनी, मेलबर्न और एडिलेड शहरों में करीब एक दर्जन शिक्षण संस्थान स्थापित करके सबसे बड़े ग्रुप का रुतबा हासिल किया है। मैं एक सरकारी स्कूल का पढ़ा हुआ हूं और मैंने अपनी आंखों से देखा है कि कैसे अवसरों की कमी के कारण मुझसे कहीं ज्यादा होशियार और काबिल बच्चे जिंदगी की दौड़ में पीछे रह गए। जिनके दिमाग की दहशत पूरे स्कूल में होती थी, उन्हें घर की आर्थिक तंगी ने पढ़ाई छोड़कर पकौड़े बेचने या छोटी–मोटी दुकानों पर बैठने के लिए मजबूर कर दिया। उनकी प्रतिभा में कोई कमी नहीं थी, कमी थी तो सिर्फ एक 'अवसर' की, जो उन्हें कभी नहीं मिला। आज गैरी मल्होत्रा वही 'अवसर' बनकर आए हैं।

उनका 'सेल्फ–स्पॉन्सर' प्रोग्राम एक क्रांति है, जो हजारों माता–पिता के सिर से वह बोझ उतार देता है जो उन्हें अपने बच्चों के सपने पूरे करने से रोकता था। इससे छात्र, खासकर हमारी बेटियां, आत्मनिर्भर बनती हैं, क्योंकि जब एक बेटी पढ़ती है तो पूरा परिवार तरक्की करता है। इसके अलावा, उन 25 जरूरतमंद और मेधावी छात्रों को 'हेल्पिंग हैंड' संस्था के माध्यम से 100 प्रतिशत स्पॉन्सरशिप देना बड़ी सोच का प्रमाण है। अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन के इच्छुक पंजाब के छात्रों के लिए सीधे दाखिले वाला प्रोग्राम छात्रों और माता–पिता के लिए बड़ी आर्थिक राहत और सुरक्षा बनेगा। गुरप्रीत सिंह ने कहा कि मैं इस महान मिशन का हिस्सा बनकर गर्व महसूस करता हूं। इस अवसर पर राज्यसभा सदस्य और चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के चांसलर सतनाम सिंह संधू ने कहा कि आज एक शिक्षा शास्त्री होने के नाते मुझे गैरी मल्होत्रा और उनकी टीम द्वारा किए गए इस अनूठे प्रयास को देखकर बेहद खुशी और गर्व महसूस हो रहा है। मैं उन्हें इस अनूठी पहल के लिए बधाई देता हूं। यह हम सभी के लिए गर्व की बात है कि पंजाब की धरती का एक नौजवान, जिसने खुद संघर्ष करके विदेश में सफलता हासिल की, आज अपनी मिट्टी का कर्ज चुकाने के लिए वापस लौटा है और यहां के युवाओं का भविष्य संवारने का बीड़ा उठाया है। पिछले 25 सालों से छात्रों के साथ काम करते हुए मैं एक बात पूरे यकीन के साथ कह सकता हूं कि हमारे पंजाबी युवाओं में न तो हिम्मत की कमी है और न ही जज्बे की। अगर किसी चीज की कमी है तो वह है सही अवसरों की। जब भी उन्हें अवसर मिला है, उन्होंने देश–विदेश में पंजाब का नाम रोशन किया है। पर दुख की बात यह है कि सही अवसर और सही राह न मिलने के कारण, हमारे बहुत सारे नौजवान 'डंकी रूट' के अंधेरे में खो जाते हैं।

मुझे खुशी है कि वह स्कॉलरशिप और जरूरतमंद बच्चों को गोद लेकर उनकी भी मदद कर रहे हैं, जो आर्थिक रूप से बेहद कमजोर हैं। इस मौके पर नामी शिक्षा शास्त्री कंवलजीत सिंह ढींडसा ने कहा कि गैरी मल्होत्रा ने गांव के सरकारी स्कूल से सफर शुरू करके ऑस्ट्रेलिया में सफलता की बुलंदियों को छुआ है। गैरी मल्होत्रा द्वारा 'हेल्पिंग हैंड' संस्था के माध्यम से शुरू किए गए प्रोजेक्ट सिर्फ कारोबार नहीं, बल्कि समाज के प्रति एक बड़ी देन हैं। उनके तीन मुख्य प्रयास विशेष रूप से प्रशंसनीय हैं :

100% सेल्फ–स्पॉन्सरशिप (पहले पढ़ो, कमाओ और फिर फीस दो)रू यह एक अनूठी और बहुत ही असरदार सोच है, जिससे काबिल छात्रों पर पढ़ाई के दौरान फीस का कोई बोझ नहीं रहेगा। यह सुनिश्चित करेगा कि कोई भी मेधावी बच्चा पैसे की कमी के कारण उच्च शिक्षा से वंचित न रहे। संस्था से सीधा संपकररू छात्रों को सीधे इंस्टीट्यूट से जोड़ने का तरीका पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता और विश्वास पैदा करता है। इससे छात्रों को फीस और खर्चों में बचत और पारदर्शिता मिलती है, जिससे वे गुमराह होने से बच जाते हैं।

गरीब और मेधावी बच्चों के लिए मुफ्त अंतर्राष्ट्रीय शिक्षारू बुद्धिमान बच्चों को 100 प्रतिशत स्पॉन्सरशिप के माध्यम से मुफ्त पढ़ाई करवा कर उनके भविष्य को संवारना है। गैरी मल्होत्रा, गुरप्रीत घुग्गी, सतनाम संधू जैसी शख्सियतें हमारे समाज के लिए प्रेरणा स्रोत हैं, जिन्होंने साधारण पृष्ठभूमि से उठकर बड़ी मंजिलें हासिल की हैं। मुझे पूरा यकीन है कि गैरी मल्होत्रा का यह नेक प्रयास पंजाब के हजारों युवाओं का भविष्य रोशन करेगा। मैं इस शानदार प्रोजेक्ट के लिए उन्हें दिल से मुबारकबाद देता हूं और कामना करता हूं कि वह इस मिशन को और भी दिलेरी और हौसले के साथ आगे बढ़ाएं। इस अवसर पर यूबीएसएस और जीसीए ऑस्ट्रेलिया के वाइस चांसलर प्रो. एलन बोयल जेम्स, पूर्व वाइस चांसलर डॉ. बी.एस घुम्मन, अमेरिका के सफल कारोबारी राजा बोपाराय, मुख्यमंत्री पंजाब के पूर्व ओएसडी मनजीत सिंह सिद्धू, आईआईटी रोपड़ की सीईओ राधिका तरिखा समेत कई वक्ताओं ने संबोधित किया। जबकि कार्यक्रम में पंजाब महिला आयोग की चेयरपर्सन राज लाली गिल, नामी अभिनेत्री और समाजसेवी सोनिया मान, गायक मनकीरत औलख, करमजीत अनमोल, सलीम सिकंदर, फिल्म अभिनेता कुलतार चीमा, लव गिल और बनिंदर बनी, स्वदेश, जरनैल सिंह, आईबीसी चंडीगढ़ से प्रोफेसर रौणकी राम, होप ट्रेनिंग कॉलेज के ऑस्ट्रेलियन रॉबी बैनीपाल, पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला से डॉ. गुरमुख सिंह उपस्थित थे।

युद्ध नशों विरुद्ध : नशामुक्त पंजाब का सपना हो रहा पूरा

चंडीगढ २६/१२ (संवाददाता): पंजाब को नशामुक्त बनाने का जो संकल्प मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान ने लिया है उस संकल्प की पूर्ति के लिए युद्ध नशेयां विरुद्ध अभियान शुरू किया गया। इस अभियान ने करोड़ों परिवारों के मन में यह आस जगा दी है कि पंजाब नशामुक्ति की तरफ बढ़ चुका है और अब हमारा प्रदेश अब नशे के कलंक को धो चुका है। बीते एक मार्च को मान सरकार ने नशीले पदार्थों की बिक्री पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए युद्ध नशे दे विरुद्ध लांच किया। पंजाब पुलिस के प्रभावी कदमों से इस अभियान में बड़ी सफलता मिली है। पंजाब से नशे के कारोबारियों का समूल विनाश किया जा रहा है। युद्ध नशों विरुद्ध के तहत जहां नशा तस्करों के घरों पर बुल्डोजर चलाए गए वहीं नशेड़ी युवाओं के पुनर्वास के लिए सरकार ने अहम कदम उठाए। इन कदमों की बदौलत अब रंगले पंजाब का सपना पूरा होता दिख रहा है। मुख्यमंत्री भगवंत मान का स्पष्ट कहना है कि किसी के घर का चिराग बुझाकर अगर कोई तस्कर ये सोचता है कि वे अपने घर को सुंदर लाइटिंग से सजा लेगा तो ये उसकी गलतफहमी है। नशा तस्करों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। आंकड़ों की बात करें तो पंजाब में मादक पदार्थों के खिलाफ जारी राज्य–व्यापी अभियान के तहत अब तक 22 हजार से ज्यादा तस्करों को गिरफ्तार किया जा चुका है। 138 दिनों में गिरफ्तारियों की संख्या 22,377 तक पहुंच गई। राज्य सरकार ने वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय कैबिनेट उप–समिति का गठन किया है जो मादक पदार्थों के विरुद्ध इस अभियान पर नजर रख रही है। राज्य से नशे के उन्मूलन के लिए तीन–आयामी रणनीति दृ प्रवर्तन, नशामुक्ति और रोकथाम (ईडीपी) दृ लागू की गई है। पंजाब के कई जिलों में पंचायत स्तर पर नशा तस्कर और अपराधियों का बहिष्कार करने की बात हो ही है। इस तरह के फैसले ड्रग के खिलाफ लड़ाई को मजबूती दे रहे हैं। नशे का व्यापार करने वाले के खिलाफ शुरू किए गए राज्यव्यापी अभियान में मान सरकार को अब आमजन का भी साथ मिल रहा है। पंजाब पुलिस ने नशे के सौदागरों को खिलाफ जमकर अभियान चलाया है और इसमें बड़ी सफलता मिली है। नशा तस्करों के घरों पर बुलडोजर चल रहे हैं। किसी ने नहीं सोचा होगा कि ऐसा समय भी आएगा, जब तस्करों के घरों पर बुलडोजर चलाए जाएंगे। पहले रिहैबिलिटेशन सेंटरों का बहुत बुरा हाल था। वहां लोगों को चेन से बांधकर कर रखा जाता था, उन्हें मारा–पीटा जाता था। अब यह सिस्टम खत्म हो गया है। अब सारे नशामुक्ति केंद्र वातानुकूलित बना दिए गए हैं और सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं। राज्य सरकार ने नोशों की रीढ़ की हड्डी तोड़ दी है और अब वह दिन दूर नहीं, जब पंजाब में से नशों का मुकम्मल खात्मा हो जाएगा। नशा मुक्ति यात्रा के तहत राज्य के हर गाँव और कस्बे तक पहुँच की जा रही है ताकि नशों के विरुद्ध इस जंग में ज्यादा से ज्यादा लोगों को शामिल करके पंजाब को पूरी तरह नशा मुक्त बनाया जा सके।

पंजाब के स्कूलों में बच्चों को जल्द मिलेगा ब्रेकफास्ट, सीएम मान बोले– कैबिनेट में लाएंगे प्रस्ताव

चंडीगढ़ २६/१२ (संवाददाता): तमिलनाडु दौरे पर गए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा है कि राज्य के सरकारी स्कूलों में जल्द ही 'ब्रेकफास्ट स्कीम' शुरू की जाएगी। सीएम मान ने मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के साथ मिलकर शहरी प्राथमिक स्कूलों में चल रही ब्रेकफास्ट स्कीम का जायजा लिया। उन्होंने बच्चों को भोजन परोसा और उनके साथ बैठकर नाश्ता भी किया। मान ने कहा कि पंजाब सरकार इस योजना को लागू करने पर कैबिनेट में चर्चा करेगी। उनका कहना था कि इससे बच्चों की पोषण स्थिति और शिक्षा दोनों को लाभ होगा। इस मौके पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधा। मान ने कहा कि "देश में नेता जुमलेबाजी कर रहे हैं, लेकिन अच्छे दिन अभी तक नहीं आए। सच ही हमेशा आगे चलता है, भाषणों से देश नहीं बनता।" मुख्यमंत्री मान ने कहा कि पंजाब खाद्यान्न उत्पादन में अग्रणी है और राज्य में अनाज की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि अब तमिलनाडु का खाना राष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय हो चुका है। पंजाब के हर कस्बे में मसाला डोसा, उपमा और पानीपुरी आसानी से मिल जाते हैं। हालांकि, पंजाबी खाना थोड़ा भारी माना जाता है।

पंजाब में चिंता का विषय बन रही है हृदय रोगी बच्चों की बढ़ती संख्या

चंडीगढ़ २६/१२ (संवाददाता): आर.टी.आई इंफॉर्मेशन के अनुसार पंजाब में हृदय रोग से पीड़ित बच्चों का इलाज का दायित्व पंजाब सरकार स्वयं उठा रही है। जो बच्चे हृदय रोग से पीड़ित हैं ,उनके लिए यह सरकार बड़ी राहत के रूप में आ रही है। पिछले तीन वर्षों में पंजाब का स्वास्थ्य विभाग हृदय रोगी बच्चों के लिए विशेष अभियान चला रहा है। हृदय के ब्लॉकेज को खोलने के लिए पंजाब के विशेषज्ञ अस्पतालों से अनुबंध किया है, साथ ही सीरियस केसों के लिए गुरुद्वारे के स्पेशल अस्पतालों से भी अनुबंध किया हुआ है। पंजाब में जिन बच्चों के हृदय में ब्लाकेज है, उनके लिए मेट्रो सिटी में खास प्रबंध किए जा रहे हैं, सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पंजाब की पी.जी.आई में 528 केस अन्य विभागों को ट्रांसफर हो चुके हैं जिनमें 7 फीसदी से ज्यादा अति गंभीर हैं जबकि 93 फीसदी नॉर्मल है। मरीजों की लंबी लिस्ट होने के कारण इनकी बारी आने में 6 से 7 महीने तक लग जाते हैं। वहीं विभिन्न विभिन्न विभागों में काम करने वाले हृदय रोग विशेषज्ञ दिनेश चड्ढा का कहना है कि हमारे पास हृदय में छेद वाले बच्चों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है , जो गंभीर चिंता का विषय है। हम एक दिन में केवल 5 से 6 बच्चों का ही ऑपरेशन कर पाते हैं। अन्य राज्यों से भी यहां हृदय रोगी बच्चे आते हैं। इसी कारण स्थानीय बच्चों के इलाज में भी समय तो लगता ही है। वहीं डॉक्टर प्रतिभा सिंह का कहना है कि कभी–कभी इमरजेंसी में भी ऑपरेशन करना पड़ता है। आरटीआई में

पंजाब सरकार जो सूचनाएं दे रही है उसको कोर्ट में चौलेंज किया गया है ,स्कूली बच्चों के प्राथमिकता से इलाज के लिए हाईकोर्ट में एक रिट अभी–अभी डाली गई है ,जिसका फैसला अभी आना है। पंजाब के नामी अस्पताल हाईकोर्ट में फर्जी एफिडेविट डाल रहे हैं , जिसका सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा नोटिस लिया, कई प्राइवेट अस्पतालों के लाइसेंस रद्द किए जा रहे हैं ,कई नए अस्पतालों को कुछ महीनों तक रद्द किया जा रहा है। पंजाब के सतगुरु राम गुरु सुपर स्पेशलिस्ट अस्पताल लुधियाना में बच्चों को भर्ती नहीं किया जाता, क्योंकि वह पंजाब सरकार की सरकारी लिस्ट में नहीं है। राष्ट्रीय बाल विकास योजना की गाइडलाइन के अनुसार 31 बीमारियों के लिए बच्चों की स्क्रीनिंग की जाती है। एक बच्चे के दिल के इलाज पर सरकार 70 हजार से एक लाख 20 हजार रुपए खर्च कर रही है। जिन बच्चों के दिल में छेद है ,उनकी स्क्रीनिंग, इलाज और सर्जरी के लिए 18 वर्ष की उम्र होने तक फॉलोअप किया जाता है। आम आदमी पार्टी फिरोजपुर के एक नेता ने कहा कि सरकार की यह स्कीम गरीब लोगों के लिए वरदान साबित हो रही है। गरीब बच्चों को महंगे अस्पतालों में बढ़िया इलाज मिल रहा है ,प्राइवेट हॉस्पिटलों में भी बच्चों का बढ़िया इलाज हो रहा है,दिल की बीमारी से जूझ रहे बच्चों के इलाज का खर्च सरकार स्वयं उठा रही है। वहीं मास्टर मदनलाल का कहना है कि आम आदमी पार्टी का यह अच्छा कदम है ,जिससे समाज के हर वर्ग को मदद मिल रही है। कागजों पर तो सभी योजनाएं अच्छी लगती हैं। यह योजना भी ऐसी ही है। अनेक बच्चों का इस योजना में इलाज भी हुआ है और अब वे स्वस्थ भी हैं लेकिन साथ ही अब यह शिकायत आई है कि इस योजना में भी राजनीतिक दखलंदाजी होने लगी है। अब आरोप है कि विधानसभा के सदस्य बच्चों के ह्दय के छेद को बंद करने के लिए जिनकी सिफारिशें करते है, इलाज में उन्हीं बच्चों को प्राथमिकता दी जाती है। वहीं पंजाब के कई मेडिकल विशेषज्ञ डॉक्टरों का कहना है कि हमारी रिपोर्ट को कोई महत्व नहीं दिया जाता ।वहीं नूरपुर बेदी के एक स्पेशलिस्ट ने सीधे सीधे भगवंत मान पर आरोप लगाया कि पिछले वर्ष अगस्त में मैंने एक दलित जाति के पांचवी कक्षा के बच्चे की सर्जरी की सिफारिश की थी, लेकिन वहां के विधायक की सिफारिश ना होने के कारण बच्चे की मौत हो गई । जिसके लिए भगवंत मान सरकार को दोषी मानकर उन पर कानूनी कार्रवाई होना चाहिए। बताया गया है कि धर्मकोट के 14 वर्षीय दलित बच्चे को हृदय में ब्लाकेज की शिकायत थी, जिसके इलाज के लिए धर्मकोट की पंचायत ने सीधे मुख्यमंत्री मान से अनुरोध किया था ,लेकिन दस महीने तक उसकी फाइल सरकारी दफ्तरों में बंद रही, जिसके कारण समय पर इलाज न मिलने से उस बच्चे की मृत्यु हो गयी। गर्भवती महिलाओं के गलत खानपान, शराब पीने और सिगरेट का सेवन करने से बच्चों के दिल में छेद होने की ज्यादा संभावनाएं होती है । छोटे–छोटे छेदों को सलंग के द्वारा बंद कर दिया जाता है जबकि बड़े–बड़े छेदों को भरने के लिए ओपन हार्ट सर्जरी करनी पड़ती है। वही विशेषज्ञों का कहना है कि पंजाब में 1000 बच्चों के पीछे 6 केस ऐसे आ रहे हैं। इन बाल हृदय रोगियों में से कई के पिता को कोई बीमारी नहीं होती। लेकिन यदि मां के हृदय में कोई बीमारी है तो उसका प्रभाव बच्चों के शरीर पर पड़ रहा है। यदि माता गर्भावस्था में दवाइयां ले रही है तो उसका असर भी बच्चों पर पड़ सकता है। यह देखा गया है कि यदि परिवार की स्त्रियां सिगरेट और शराब का प्रयोग करती है तो उनके बच्चों को ऐसी समस्या आ सकती है। वहीं डॉक्टर बागी का कहना है कि यदि छोटी उम्र में छेद भर जाए तो हृदय का वाल्व सही हो जाता है और बच्चों का विकास भी ठीक होता है।

Printed, Published,Edited, & Owned by Prakash Kumar Dhal, Printed at Promodini Publication, Main road , Chhend colony , Rourkela-15 & Published at ECR-73, Chhend Colony, Rourkela-15, Editor : Prakash kumar Dhal, Email:kalingasamachar@gmail.com , Mob: 9439951525, Ph. 0661-2646999

ओडिशा समाचार

कलिंग समाचार | राउरकेला, शनिवार 27 दिसंबर 2025 | पृष्ठ-6

बांग्लादेशी के शक में बंगाली मजदूर की निर्मम हत्या, छह आरोपी गिरफ्तार, प्रदेश में राजनीति गरमाई

भुवनेश्वर २६/१२ (संवाददाता): ओडिशा में बांग्लादेशी होने के शक में बंगाल के प्रवासी मज़दूर की पीट-पीटकर हत्या कर दी गयी। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि ओडिशा के संबलपुर ज़िले में छह लोगों ने कथित तौर पर पश्चिम बंगाल के प्रवासी मज़दूरों के एक ग्रुप को रोका, उनसे बीड़ी मांगी और फिर उनके आधार कार्ड चेक करने की मांग की, जिसके बाद उन पर बेरहमी से हमला किया गया।

इस हमले में एक मज़दूर की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। ओडिशा पुलिस ने कहा कि बुधवार देर रात बीड़ी को लेकर हुए विवाद के बाद यह हिंसा हुई। हालांकि, मज़दूरों और पीड़ित के परिवार ने अधिकारियों को बताया कि उन पर बांग्लादेशी नागरिक होने के शक में हमला किया गया था।

पुलिस के अनुसार, इस घटना में अन्य मजदूर घायल हो गए। ओडिशा पुलिस ने कहा कि बुधवार रात संबलपुर जिले में यह घटना 'बीड़ी' को लेकर हुए विवाद के बाद हुई, जबकि पश्चिम बंगाल से आए प्रवासी मजदूरों का आरोप है कि उन पर बांग्लादेशी होने के संदेह में हमला किया गया। इस बीच, पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा शासित राज्य में हुई इस घटना को भाजपा के बंगालियों के खिलाफ लंबे समय से चलाए जा रहे अभियान का परिणाम बताया।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि इस मामले में छह आरोपियों को गिरफ़्तार किया गया है। इस घटना में जान गंवाने वाले जुएल शेख (30) पश्चिम बंगाल के रहने वाले थे और कुछ अन्य मजदूरों के साथ ऐंथापल्ली पुलिस थाना क्षेत्र के शांति नगर में एक इमारत के निर्माण स्थल पर काम कर रहे थे। पुलिस के अनुसार, जब मजदूर अपने रहने की जगह पर खाना बना रहे थे, तभी छह लोगों का एक समूह वहां पहुंचा और उनसे बीड़ी मांगी। इनकार करने पर उनसे आधार कार्ड दिखाने को कहा गया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हुई, जो बाद में हाथापाई में बदल गई।

पुलिस ने बताया कि इस दौरान जुएल शेख के सिर पर गंभीर चोट लगी और इलाज के दौरान संबलपुर अस्पताल में उनकी मौत हो गई। पश्चिम बंगाल के एक अन्य प्रवासी मजदूर मजर खान ने आरोप लगाया, पहले हमसे बीड़ी मांगी गई और फिर आधार कार्ड दिखाने को कहा गया। बाद में जुएल शेख का सिर किसी सज़्त वस्तु पर मारा गया।

निजामुद्दीन खान ने दावा किया कि हमलावरों ने उन्हें बांग्लादेशी कहकर गाली दी और शेख तथा दो अन्य मजदूरों पर हमला किया। दो अन्य घायल मजदूरों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। उज़री रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) हिमांशु कुमार लाल ने कहा, हमने छह आरोपियों को गिरज़्तार कर लिया है और मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हत्या का संबंध इस बात से नहीं है कि पीड़ित 'बंगाली था या बांग्लादेशी'। अपर पुलिस अधीक्षक श्रीमंता बारिक ने बताया कि पड़ोसी राज्य से आए ये मजदूर कई वर्षों से इस इलाके में रह रहे थे और आरोपी उन्हें पहले से जानते थे।

पुलिस ने कहा कि यह पता लगाने के लिए जांच जारी है कि ज़्या इस अपराध में कोई अन्य व्यक्ति भी शामिल था। पश्चिम बंगाल में सज़ारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने दावा किया कि आरोपियों को संदेह था कि जुएल अवैध बांग्लादेशी अप्रवासी है, जिसके कारण उसकी पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। तृणमूल कांग्रेस ने ओडिशा के संबलपुर में एक बंगाली प्रवासी मजदूर की कथित पीट-पीटकर हत्या के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को जिज़्मेदार ठहराया है। पार्टी ने सोशल मीडिया मंच 'एज़्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि यह घटना भाजपा द्वारा वर्षों से चलाए जा रहे 'बंगाली विरोधी अभियान' का सीधा नतीजा है। पार्टी का आरोप है कि भाजपा नेताओं ने लंबे समय से बांग्ला बोलने वाले भारतीयों को घुसपैठिया, बाहरी और संदिग्ध बताकर पेश किया है। हालांकि, इस आरोप पर प्रतिक्रिया देते हुए पुलिस महानिरीक्षक ने कहा कि हत्या की इस घटना का इस बात से कोई संबंध नहीं है कि पीड़ित बंगाली था या बांग्लादेशी।

जमुना को सिमिलिपाल टाइगर रिजर्व में छोड़ा गया

बारीपदा २६/१२ (संवाददाता): महाराष्ट्र के ताड़ोबा अंधारी टाइगर रिजर्व से ओडिशा लाई गई ढाई साल की बाघिन जमुना को सिमिलिपाल टाइगर रिजर्व के मुज़्य क्षेत्र में छोड़ा गया। पशु चिकित्सकों और प्रधान मुज़्य वन संरक्षक सुशांत नंदा की सहमति के बाद एसटीआर अधिकारियों को बाघिन को उसके बाड़े से छोड़ा गया। एसटीआर दक्षिण संभाग के उप निदेशक सम्राट गौड़ा ने बताया कि सुबह.सुबह ही बाघिन के बाड़े का गेट खोल दिया गया था। जमुना सुबह करीब 10 बजे बाड़े से निकलकर जंगल में चली गई। उन्होंने कहा फ़िलहाल बाघिन मुज़्य क्षेत्र में ही है और हम उसकी गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं। 28 अज़्टूबर को क्षेत्रीय मुज़्य वन संरक्षक और एसटीआर के फील्ड डायरेज़्टर प्रकाश चंद गोगिनेनी की निगरानी में एक विशेषज्ञ दल महाराष्ट्र के ताड़ोबा अंधारी टाइगर रिजर्व से बाघिन को लेकर आया था।

बाघिन को उसके नए आवास में समायोजित करने के लिए एक एकड़ के क्षेत्र में छोड़ा गया था। तीन दिन बाद जमुना ने पहले पानी पिया और बाड़े में एक जंगली सूअर को मार डालाए जिससे अधिकारियों को राहत मिली।

सूत्रों ने बताया कि वन विभाग के अधिकारियों की 10 सदस्यीय टीम ताड़ोबा अंधारी टाइगर रिजर्व के लिए रवाना हो गई है ताकि एक और बाघिन को सिमिलिपाल लाया जा सके। सहायक वन संरक्षक प्रदीप डेए पशु चिकित्सक अभिलाष आचार्य और उप निदेशक दीसिमान पांडा अन्य लोगों के साथ बुधवार को ताड़ोबा अंधारी टाइगर रिजर्व पहुंचेए जब राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण ;एनटीसीए ने बाघिन को स्थानांतरित करने की सहमति दे दी।

गोगिनेनी ने कहा कि टीम ताड़ोबा अंधारी टाइगर रिजर्व के अधिकारियों से मिलेगी और फ़िर विशेषज्ञ बाघिन को बेहोश करेंगे। 31 महीने की बाघिन को ओडिशा लाने से पहले एक सुरक्षा पिंजरे में रखा जाएगा।

आरएसपी के मंदिरा बांध परिसर में उमंग रिट्रीट में कर्मचारियों के लिए आउटबाउंड लर्निंग प्रोग्राम किया गया आयोजित

राउरकेला २६/१२ (संवाददाता): राउरकेला स्टील प्लांट (आरएसपी) में पेशेवर विकास और टीम की गतिशीलता को बढ़ाने के उद्देश्य से एक अनूठी पहल में विभिन्न विभागों के पुरुषों और महिलाओं सहित 25 कर्मचारियों ने आयोजित जोश नामक आउटबाउंड लर्निंग प्रोग्राम में भाग लिया। टाटा स्टील एडवेंचर फाउंडेशन (टीएसएएफ) द्वारा कार्यक्रम के लिए विशेषज्ञ समर्थन बढ़ाया जा रहा है। विशेष रूप से, यह 2025-2026 सत्र का पहला बैच है जो इस कार्यक्रम से गुज़र रहा है। मुज़्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन- ज्ञानार्जन एवं बिकास), श्री पी. के. साहू ने 2025-26 के पहले सत्र का उद्घाटन किया। सत्र उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन- ज्ञानार्जन एवं बिकास), श्री के के जायसवाल, और कनिष्ठ प्रबंधक (मानव संसाधन- ज्ञानार्जन एवं बिकास), श्री जे सी पात्रा के मार्गदर्शन में सुरक्षित और सफलतापूर्वक आयोजित किए गए।

यहां यह ध्यान देने योग्य है कि, आउटबाउंड लर्निंग पहल एक समग्र विकास दृष्टिकोण पर केंद्रित है, नेतृत्व, संचार कौशल, प्रदर्शन वृद्धि, योजना, परिवर्तन प्रबंधन, प्रतिनिधिमंडल, टीम वर्क और प्रेरणा जैसे प्रमुख पहलुओं को संबोधित करती है। अनुरूप पाठ्यक्रम को प्रतिभागियों के पेशेवर कौशल सेट में सकारात्मक बदलाव लाने और सहयोगी कार्य वातावरण को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

विशिष्ट रूप से विकसित आउटबाउंड प्रशिक्षण सुविधा, घने जंगल और शांति से घिरे प्रकृति की गोद में, कुछ सबसे दिलचस्प साहसिक बुनियादी ढांचे और सुविधाओं से लैस, आउटबाउंड प्रशिक्षण गतिविधियों के लिए सबसे अच्छी जगह प्रदान करता है। एक 40-फ़ीट ऊंचा रैपलिंग टॉवर, ऑस्ट्रेलियाई वॉक के लिए लकड़ी के तज़्ते, क्रॉलिंग के लिए सुरंग, समानांतर रस्सी, बंदर कूदने के लिए रस्सी और टीम निर्माण के विभिन्न खेलों को संचालित करने के लिए कई अन्य सुविधाएं नव विकसित केंद्र की कुछ दिलचस्प विशेषताएं हैं। सुविधा को असंज़्य सजावटी पौधों और फूलों के पेड़ों के साथ खूबसूरती से लैंडस्केप किया गया है। चार इन-हाउस विकसित आकर्षक गज़ेबो बनाए गए हैं जो जगह में लालित्य जोड़ रहे हैं।

बांग्लादेशियों के समुद्र मार्ग से ओडिशा में दाखिल होने की कोई रिपोर्ट नहीं-मंत्री

भुवनेश्वर २६/१२ (संवाददाता): ओडिशा के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने कहा कि बांग्लादेश में हिंसा के बाद बांग्लादेशियों के समुद्र मार्ग से तटीय राज्य में दाखिल होने की कोई रिपोर्ट नहीं है। हरिचंदन ने कहा कि ओडिशा में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों की पहचान कर उन्हें जल्द उनके देश भेजा जाएगा। पुलिस का कहना है कि भारतीय नौसेनाए तटरक्षक बल और ओडिशा समुद्री पुलिस बांग्लादेश से सटी 480 किलोमीटर लंबी समुद्री सीमा पर त्रिस्तरीय सुरक्षा बनाए हुए हैं।बांग्लादेश में राजनीतिक उथल.पुथल के बीच बांग्लादेशियों के समुद्र मार्ग से ओडिशा में दाखिल होने की संभावनाओं से जुड़े पत्रकारों के सवाल के जवाब में हरिचंदन ने शनिवार को कहा कि मुज़्यमंत्री मोहन चरण माझी ने तटरक्षक बल और ओडिशा समुद्री पुलिस को इस तरह की कोशिशों को नाकाम करने के लिए समुद्र तट पर गश्त करने का निर्देश दिया है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि बांग्लादेश के हालिया घटनाक्रमों के बाद ऐसी ;बांग्लादेशियों के समुद्र मार्ग से तटीय राज्य में दाखिल होने कीद्ध कोई रिपोर्ट नहीं है। हरिचंदन ने कहाए कुछ बांग्लादेशी लंबे समय से ओडिशा में रह रहे हैं। राज्य सरकार उनके दस्तावेजोंए मसलन.वीजा और वर्क परमिट या राज्य में रहने के किसी अन्य वैध कारण का सत्यापन करेगी। सत्यापन के बाद अवैध घुसपैठियों को उनके देश वापस भेजा जाएगा।सरकारी सूत्रों के मुताबिक ओडिशा के सात जिलों में कुल 3ए740 अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों की पहचान की गई है। इनमें से 1ए649 केंद्रपाड़ा मेंए 1,112 जगतसिंहपुर में और 655 मलकानगिरि में अवैध रूप से रह रहे हैं।

गेम के चक्कर में मां-बाप और बहन को मौत के घाट उतारा

भुवनेश्वर २६/१२ (संवाददाता):मोबाइल पर गेम खेलने से मना करने पर अपने माता.पिता और बहन की हत्या करने वाले सूर्यकांत सेठी की दीमागी हालत भी ठीक नहीं रहने की जानकारी मिली है।

कभी कभी वह घर में बिना किसी को कुछ बताए कहीं चला जाता था और कई दिनों बाद वापस लौटता था। ऐसे में किसी छोटी घटना या फ़िर किसी बात के लिए माता.पिता द्वारा मना करने पर वह इस तरह की घटना को अंजाम देने की बात कही जा रही है। यह भी कहा जा रहा है कि कुछ दिनों से उसे मोबाइल पर गेम खेलने की नशा थी। इसके लिए उसके माता.पिता उस पर गुस्सा करते थे। उसे मोबाइल पर गेम नहीं खेलने को कहते थे और उसे मोबाइल नहीं दे रहे थे। इस बात को लेकर उसने अपने माता.पिता एवं बहन की हत्या करने की बात कही जा रही है।

सूर्यकांत के भाई उमाकांत सेठी ने कहा है कि पागलामी में सूर्यकांत ने इस घटना को अंजाम दिया है। इससे पहले वह पागलामी करते रहता था। पिछले कुछ दिनों से उसकी दीमागी हालत ज्यादा खराब हो गई थी। हम सोच रहे थे कि उसे गेम खेलने को नहीं मिल रहा हैए जिससे वह इस तरह की हरकतें कर रहा है। परन्तु इतनी बड़ी घटना को अंजाम दे दिया इसके बारे में हम कभी भी नहीं सोचे थे। उसने माता.पिता एवं बहन की बेरहमी से हत्या कर दी।

हम अभी सोच रहे थे कि उसे अस्पताल ले जाएंगे। वहीं कभी सुबह सुबह साइकिल लेकर चला जाता और फ़िर दोपहर को घर लौटता था। वह नहाता बी नहीं था। किसी की बात नहीं सुनता था और किसी के साथ उसका उठना बैठना भी नहीं था।

वह अकेले बैठे रहता था और जो मन में आता बोलते रहता था।कोई कुछ बोले तो गुस्सा कर जाता था।मोबाइल में पबजी के साथ कई प्रकार की गेम खेलने की बात मैने भी सुनी है। माता.पिता भी कहते थे कि वह दिन भर गेम खेलते रहता है।हम उसे पैसा नहीं देते थे कभी कभी 10.20 रुपया दिया जाता था।

आरएसपी में पार्श्वांचल महिलाओं के दूसरे बैच के लिए एक वर्षीय पट्टचित्र चित्रकला प्रशिक्षण का प्रथम चरण संपन्न

राउरकेला२६/१२ (संवाददाता): राउरकेला इस्पात संयंत्र के सीएसआर विभाग के अंतर्गत पार्श्वांचल विकास संस्थान में पार्श्वांचल महिलाओं के दूसरे बैच के लिए आयोजित एक-वर्षीय पट्टचित्र चित्रकला प्रशिक्षण का प्रथम चरण हाल ही में संपन्न हुआ। मुज़्य महाप्रबंधक (आंतरिक लेखा परीक्षा), डॉ. जी एस दास ने 30 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह की अध्यक्षता की। इस अवसर पर महाप्रबंधक प्रभारी (सीएसआर), सुश्री मुनमुन मित्र, उप महाप्रबंधक (सीएस आर), श्री टी बी टोप्पो, समन्वयक (एसडबल्युएडी-स्वाद), श्री एस के मिश्रा, विभाग एवं स्वाद के अन्य अधिकारी उपस्थित थे। लाठीकाटा राजस्व प्रखंड के सुईडीह ग्राम स्थित स्वयं सहायता समूह की 12 महिलाओं को इस प्रशिक्षण के लिए चुना गया है। इस अवसर पर संबोधित करते हुए डॉ. दास ने पार्श्वांचल ग्रामों की महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने हेतु आवश्यक कौशल प्रदान करने में सीएसआर विभाग के प्रयासों की सराहना की। एक महीने के प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को पट्टचित्र चित्रकला का विस्तृत बुनियादी जानकारी दी गई, जिसमें इसकी उत्पज़ि, महत्व और वर्तमान प्रासंगिकता शामिल थी।

उन्हें महत्वपूर्ण पहलुओं, जैसे, उपयुक्त आधार सामग्री, कपड़ा, काँच, कागज, सीप, रंग और कलफ का चयन के साथ-साथ कलफ लगाने की तकनीकें और मानव, पशु एवं प्रकृति आधारित डिजाइनों के अनुपातों की समझ भी प्रदान की गई। प्रशिक्षुओं को बॉर्डर बनाना, लाइनिंग खींचना, रचनात्मक मोटिज़्स की स्केचिंग, तथा पक्षी, पशु और मछलियों के चित्रण जैसी आवश्यक कलात्मक विधाएँ भी सिखाई गईं। उन्हें अंतिम कलाकृति के लिए कागज तैयार करने से लेकर एक पूर्ण पट्टचित्र बनाने की पूरी प्रक्रिया से अवगत कराया गया। प्रशिक्षण का संचालन श्री सुशांत कुमार बेताल द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षुओं को आगे के प्रशिक्षण हेतु आवश्यक सामग्री प्रदान की गई। कार्यक्रम की शुरुआत में सुश्री मित्रा ने स्वागत उद्बोधन दिया, जबकि श्री टी बी टोप्पो ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापित किया । कार्यक्रम का संचालन अनुभाग अधिकारी, श्री बी एक्का, (द्वारा किया गया । उल्लेखनीय है कि, पट्टचित्र चित्रकला में प्रशिक्षित 10 महिलाओं के पिछले बैच की सफलता ने दूसरे बैच के गठन को प्रेरित किया, जिसका उद्देश्य सुईडीह गांव में 12.58 लाख रुपये की लागत से एक कलात्मक व्यवसाय केंद्र विकसित करना है।

एक-वर्षीय प्रशिक्षण पूरा करने के बाद प्रथम बैच की महिलाओं को शिल्पकार पहचान पत्र प्रदान किए गए हैं और उन्हें ओडिशा सरकार तथा वस्त्र मंत्रालय द्वारा आधिकारिक रूप से कारीगर के रूप में मान्यता मिली है। अब वे विभिन्न सरकारी लाभों के लिए पात्र हैं तथा ओआरएमएएस, उत्कलिका, निगमित संस्थानों और रघुराजपुर के व्यापारियों के साथ मज़बूत बाज़ार संपर्क भी स्थापित कर चुकी हैं।